■ श्रावण शुक्ल - 7 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 3 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 25-07-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 एचएएल : भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने साधा राहुल पर निशाना

6 मणिपुर की स्तब्ध करने वाली तस्वीरों के पीछे?

7 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 की तैयारी शुरू : अमिताभ

फर्स्ट टेक

फिजी द्वीप समूह के दक्षिण में 6.0 तीव्रता का आया भूकंप

हांगकांग/वार्ता। फिजी द्वीप समूह के दक्षिण में 02:49:5(जीएमटी) पर 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि सोमवार को आये इस भूकंप का केंद्र शुरू में 553.4 किमी की गहराई पर 24.18 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 178.76 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया।

तुर्कीये से रूस आ रहे जहाज पर मिला विस्फोट : एफएसबी

मॉस्को/वार्ता। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने सोमवार को कहा कि तुर्कीये से रोस्तोव-ऑन-डॉन आ रहे मालवाहक जहाज का संभावित आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए केर्च जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान निरीक्षण में जहाज पर विस्फोटक मिला है। एफएसबी ने आज यहां बताया कि 22 जुलाई को तुर्कीये से रोस्तोव-ऑन-डॉन जा रहे मालवाहक जहाज में डाइनिट्रोटोलुइन जैसी विस्फोटक सामग्री और बाहरी हस्तक्षेप के निशान पाए गए। उन्होंने कहा, हम आतंकवादी और विध्वंसकारी हमलों को रोकने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केर्च जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों का निरीक्षण उपाय कर रहे हैं। एफएसबी के अनुसार मई के अंत में जहाज किलिया के यूक्रेनी बंदरगाह में था, लेकिन जुलाई में तुर्कीये में इसने अपने चालक दल को पूरी तरह से बदलकर उसमें 12 यूक्रेनी नागरिक शामिल किया।

इमरान खान की गिरफ्तारी का आदेश

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इस्लामाबाद पुलिस को निर्देश दिया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार कर मंगलवार को उसके समक्ष पेश करे। निर्वाचन आयोग ने अपनी अवमानना से जुड़े एक मामले में यह आदेश दिया है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) सुनवाई से खान की लगातार अनुपस्थिति से नाराज था और उसने अवमानना मामले में पेश नहीं होने के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख को गिरफ्तार करने का इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को निर्देश दिया। ईसीपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कथित तौर पर ''अमर्यादित'' भाषा का इस्तेमाल करने के लिए पिछले साल खान (70) और उनकी पार्टी के पूर्व नेताओं असद उमर और फवाद चौधरी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की थी।

25-07-2023 सूर्यास्त 6:48 बजे | 26-07-2023 सूर्योदय 6:03 बजे

BSE	NSE
66,384.78	19,672.35
(-299.48)	(-72.65)

सोना	चांदी
6,178 रु.	77,524 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घटिया हरकत

मिल रही जजों को भी धमकी,
हिम्मत गुण्डों की बढ़ी हुई।
नापाक मुल्क में साजिश की,
सारी करतूतें गढ़ी हुई।
पहले अपना घर तो देखें,
कालिख जिस पर है मढ़ी हुई।
घटिया की घटिया हरकत से,
त्यौरियां हमारी चढ़ी हुई।।

ज्ञानवापी मस्जिद सर्वे में उच्चतम न्यायालय ने लगाई

वाराणसी जिला न्यायालय के आदेश पर 26 जुलाई तक रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे करने के वाराणसी जिला अदालत के आदेश पर सोमवार को 26 जुलाई तक रोक लगा दी। जिला अदालत के 21 जुलाई 2023 के आदेश पर एएसआई के 30 सदस्यीय एक दल ने सोमवार सुबह से सर्वे का काम शुरू कर दिया था।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वाराणसी की अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा

अहमदी के मामले का तत्काल उल्लेख करने पर यह आदेश पारित किया।

पीठ ने आदेश देते हुए कहा कि जिला न्यायाधीश का आदेश 26 जुलाई शाम पांच बजे तक लागू नहीं किया जाएगा। इस बीच मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर कर सकता है। पीठ ने उच्च न्यायालय रजिस्ट्री से इस मामले को सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय के संबंधित पीठ के समक्ष रखने को भी कहा।

आदेश के बाद एएसआई ने सर्वेक्षण रोका

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में उच्चतम न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने सोमवार सुबह ज्ञानवापी परिसर में वैज्ञानिक सर्वेक्षण की कार्रवाई रोक दी। वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने सोमवार को बताया कि उच्चतम न्यायालय ने ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण की कार्रवाई को 26 जुलाई शाम तक के लिए रोकने का निर्देश दिया है, जिसको देखते हुए सर्वेक्षण पर रोक लगा दी गई है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 26 जुलाई की शाम तक के लिए जिला जज के सर्वे की कार्रवाई के आदेश पर रोक लगाई है।

रैली

'कारगिल युद्ध' की जीत के 24 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में और महिलाओं की अदम्य भावना को प्रदर्शित करने के लिए, उत्तरी कमान ने 18 जुलाई 23 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली से कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास तक नारी सशक्तीकरण महिला मोटरसाइकिल रैली शुरू की है। रैली उधमपुर से श्रीनगर पहुंची और जीओसी 31 सब एरिया के मेजर जनरल पीबीएस लांबा ने इसका स्वागत किया।

पर्यावरण संरक्षण 21वीं सदी के लिए चिंता का प्रमुख मुद्दा बन गया है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि पर्यावरण में गिरावट, वन क्षेत्र में कमी, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरे वैश्विक चर्चा एवं भागीदारी के केन्द्र में हैं तथा पर्यावरण संरक्षण 21वीं सदी के लिए एक चिंता का प्रमुख मुद्दा बन गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय वन सेवा के प्रोबेशनर (2022 बैच) और भारतीय रक्षा संपदा सेवा (2018 और 2022 बैच) के अधिकारियों/ प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति वनों के फैलाव से निकटता से जुड़ी हुई है और वन तथा

वन्यजीव देश के अमूल्य संसाधन और विरासत हैं जिन्हें वन सहारा देते हैं। मुर्मू ने कहा, पर्यावरण में गिरावट, वन क्षेत्र में कमी, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरे वैश्विक बातचीत और भागीदारी के केन्द्र में हैं। इसीलिए पर्यावरण संरक्षण 21वीं सदी के लिए चिंता का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने दुनिया को लाइफ-लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट का मंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी समाधान प्रदाताओं में से हैं और ऐसे में उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे इस मंत्र के व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए अथक प्रयास करें।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि प्रशासनिक सेवा के रूप में उनकी यात्रा ऐसे समय में शुरू हुई है जब भारत ने वैश्विक स्तर पर नेतृत्व हासिल किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी सांस्कृतिक समृद्धि के साथ-साथ अपनी तकनीकी प्रगति के लिए विश्व का ध्यान आकर्षित किया है और दुनिया को दिखाया है कि प्रोद्यौगिकी और परंपराएं साथ-साथ चल सकती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह भारतीय रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं और सुविधाएं पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ हों। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी सुशासन को सक्षम बनाती है और उन्हें विशेषज्ञता के साथ-साथ अपने तकनीकी कौशल में सुधार करते रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छावनियों में प्रभावी प्रशासन और रक्षा भूमि के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम संभव उपयोग किया जाना चाहिए।

ईपीएफ खाताधारकों को मिलेगा 8.15 प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना के तहत अंशदाताओं के जमा पर वर्ष 2022-23 के लिए 8.15 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दी है। श्रम मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सोमवार को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि सेवानिवृत्ति निधि प्रबंधक, ईपीएफओ ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को सदस्यों के खातों में अनुमोदित ब्याज दर जमा करने का निर्देश जारी कर दिया है। ईपीएफओ ने जोनल और क्षेत्रीय कार्यालयों को आज जारी परिपत्र में कहा, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने सूचित किया है कि केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के पैरा 60 (1) के तहत ईपीसी योजना, 1962 के पैरा 60 के प्रावधानों के अनुसार ईपीएफ योजना के प्रत्येक सदस्य के खाते में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 8.15 प्रतिशत की दर से ब्याज जमा करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

'करदाता के अनुकूल हो कर नीतियां'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज आयकर विभाग को पारदर्शी, उद्देश्यपूर्ण और करदाता अनुकूल होने की अपील करते हुये आज कहा कि कर में बढोतरी नहीं की गयी है लेकिन लोगों के आगे आकर कर चुकाने से कर राजस्व में वृद्धि हो रही है।

श्रीमती सीतारमण ने आयकर विभाग के 164वें आयकर दिवस पर केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम को यहां देर शाम संबोधित करते हुये कहा कि प्रत्यक्ष कर के क्षेत्र में पिछले एक वर्ष में बहुत बदलाव आया है और बदलाव की जरूरत हमेशा बनी रहती है।

वित्त मंत्री ने फेसलेस अस्सेमेंट से लेकर नोटिसों के फेसलेस प्रक्रिया से निपटान किये जाने का

उल्लेख करते हुये कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर 55 हजार नोटिसों को मई 2023 तक निपटा दिया गया है और मार्च 2024 तक एक लाख और नोटिस निपटाये जाने हैं। उन्होंने फेसलेस अस्सेमेंट वरदान साबित हो रहा है। इसके साथ ही तत्काल पैन जारी करना भी मददगार रहा है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि नई आयकर व्यवस्था में 7.27 लाख रुपये तक कोई कर नहीं है। इस सरकार ने कर में कोई बढोतरी नहीं की है लेकिन कर राजस्व में वृद्धि जारी है। इसलिए कर करदाता अनुकूल होनी चाहिए। उन्होंने आयकर विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आत्ममंथन करने की सलाह देते हुये कहा कि हमें ऐसी कर व्यवस्था बनानी है जो वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र में मददगार होने के साथ ही कर का दायरा भी बढाये और कर राजस्व में भी बढोतरी करे।

मणिपुर मुद्दे पर सरकार चर्चा को तैयार, विपक्ष चर्चा होने दे और सच्चाई सामने आने दे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर के मुद्दे पर संसद में जारी गतिरोध के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा को तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें। संसद का मानसून सत्र शुरू होने के बाद से ही विपक्ष दलों के सदस्य मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान और फिर चर्चा कराने की मांग कर रहे हैं। इसके कारण संसद के दोनों सदनों में कामकाज बाधित रहा है।

सोमवार को तीन बार के स्थगन के अपराह्न ढाई बजे कार्यवाही शुरू होने पर गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि सरकार मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें। उन्होंने कहा, सदस्यों से आग्रह है कि बहुत संवेदनशील मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष..दोनों ओर के सदस्यों ने चर्चा की मांग की है। मैं सदन में चर्चा के लिए तैयार हूं। शाह ने कहा, मुझे नहीं मालूम कि विपक्ष संसद में चर्चा क्यों नहीं होने दे रहा है। गृह मंत्री ने कहा, मेरा विपक्ष के नेताओं से आग्रह है कि चर्चा होने दें और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर पूरे देश के सामने सच्चाई आने दें।

एटीएस ने उप्र में अवैध रूप से रह रहे 74 रोहिंग्या लोगों को किया गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने सोमवार को राज्यव्यापी अभियान चलाकर प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे 74 रोहिंग्या लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने यहां एक बयान में बताया कि एटीएस को सूचना मिल रही थी कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुछ रोहिंग्या लोग अवैध तरीके से रह रहे हैं। इस पर एटीएस ने स्थानीय पुलिस इकाइयों की मदद से एक अभियान चलाया और कुल 74 रोहिंग्या लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार रोहिंग्या लोगों में 16 महिलाएं और लड़कियां तथा 58 पुरुष शामिल हैं।

ट्वीटर की नीली चिड़िया उड़ी, एक्स बना नया लोगो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/एपी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्वीटर को नया 'लोगो' मिल गया है। अब नीली चिड़िया की जगह काले-सफेद रंग के 'एक्स' ने ले ली है। ट्वीटर के मालिक एलन मस्क ने इसकी घोषणा की। उन्होंने पिछले साल 44 अरब डॉलर में ट्वीटर को खरीदा था। इसके बाद उन्होंने साइट में कई बदलाव किए हैं।

मस्क ने सोमवार को अपने ट्वीटर अकाउंट का 'लोगो' बदल दिया। ट्वीटर के डेस्कटॉप वर्जन पर बदला हुआ लोगो दिखने लगा है, लेकिन फोन ऐप पर अब भी चिड़िया ही दिखाई दे रही है।

मस्क ने अपने प्रशंसकों से लोगो के बारे में सुझाव देने और एक लोगो चुनने के लिए कहा था। उन्होंने रविवार देर रात ट्वीट करके बताया था कि वह 'लोगो' में बदलाव सोमवार को ही करना चाहते हैं।

मस्क ने लिखा था, और जल्द ही हम ट्वीटर ब्रांड तथा सभी चिड़ियों को अलविदा कह देंगे। मस्क से जब पूछा गया कि जब लोगो बदल जाएगा तब 'ट्वीट' को क्या कहा जाएगा, तो उन्होंने कहा कि इसे 'एक्स' कहा जाएगा।

अनुशासन के लिए कठोर कदम अनिवार्य : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उपभोक्ताओं तथा उद्योग और व्यापार से जुड़े लोगों से आर्थिक राष्ट्रवाद अपनाने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि अनुशासन बनाए रखने के लिए कभी-कभी कठोर कदम उठाना अपरिहार्य हो जाता है।

उपराष्ट्रपति ने यहां भारतीय वन सेवा के 54वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कभी कभी अनुशासन बनाए रखने के लिए

कठोर कदम उठाना अपरिहार्य हो जाता है अन्यथा लोकतंत्र के मंदिरों की प्रतिष्ठा का क्षय होने लगेगा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति के रूप में उनका यही प्रयास रहा है कि लोकतंत्र के मंदिरों में अनुशासन रहे। उन्होंने कहा कि अनुशासन के बिना विकास संभव ही नहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार के हाल के कदमों से बिचौलिए समाप्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अब जब कानून अपना काम कर रहा है तो भ्रष्टाचार में फंसे लोगों पर आंच आ रही है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए सड़क पर प्रदर्शन किये जाने को उचित नहीं ठहराया जा सकता है और भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को कानून की गिरफ्त से छूट नहीं दी जा सकती है।

आर्थिक राष्ट्रवाद का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि थोड़े से लाभ के लिए उपभोक्ताओं तथा व्यापारियों को विदेशी समान को प्राथमिकता देना सही नहीं है।

मणिपुर: केंद्रीय मंत्री आर.के. रंजन सिंह के आवास पर फिर हुआ हमला

इंफाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री आर.के. रंजन सिंह के यहां स्थित आवास के बाहर महिलाओं की एक रैली ने उस वक्त उग्र रूप धारण कर लिया, जब प्रदर्शनकारियों ने उस पर (आवास पर) पथराव किया। प्रदर्शकारी, मंत्री से जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में स्थिति पर संसद में बयान देने की मांग कर रहे थे। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री सिंह के आवास पर दो महीने में हुआ यह दूसरा हमला है। इस बीच, मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने राज्य में शांति बहाल करने की मांग करते हुए दिन में एक रैली निकाली। पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे क्योंकि युवक उस इलाके से गुजर रहे थे, जिसमें उन्हें रैली करने की अनुमति नहीं थी।

पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश कट्टरपंथी उपदेशक पर आतंकवाद संबंधी आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक अंजेम चौधरी पर आतंकवाद से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया है और उसे सोमवार को लंदन की अदालत में पेश किया जाएगा। चौधरी के पास ब्रिटेन और पाकिस्तान की दोहरी नागरिकता है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने 56 वर्षीय चौधरी पर रविवार को एक प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता लेने और एक प्रतिबंधित संगठन के

समर्थन में सभाओं को संबोधित करने का आरोप लगाया था।

एक प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता के आरोप में संबंधित आतंकवाद रोधी जांच में एक कनाडाई नागरिक खालिद हुसैन (28) को भी गिरफ्तार किया गया है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोमवार को कहा, एक प्रतिबंधित संगठन की कथित सदस्यता की जांच कर रहे मेट्रोपॉलिटल पुलिस के आतंकवाद रोधी जांचकर्ताओं ने सोमवार, 17 जुलाई को पूर्वी लंदन में 56 वर्षीय एक व्यक्ति और हीथ्रो हवाई अड्डे पर 28 वर्षीय एक कनाडाई नागरिक को गिरफ्तार किया। बयान में कहा गया, उन्हें आतंकवाद रोधी अधिनियम 2000 की धारा 41 के तहत पकड़ा गया है। जांचकर्ताओं को हिरासत वारंट दिए गए, जिससे उन्हें दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को सोमवार, 24 जुलाई तक हिरासत में रखने की अनुमति मिल गई।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के रोटरी जंक्शन ने सोमवार को एमएस रामैया हॉस्पिटल को कैंसर डिटेक्शन वैन प्रदान की। इस वैन के सहयोग से कर्नाटक के गाँवों एवं पिछड़े इलाको में जाकर स्तन, मुँह, दंत एवं सर्वाइकल कैंसर की निशुल्क जांच की जाएगी। रोटरी की अध्यक्ष नीतू सराफ़ के नेतृत्व में औपचारिक रूप से एमएस रमैया हॉस्पिटल के अध्यक्ष डॉ जयराम को कैंसर जांच वैन की चाबी सौंपी गई। इस मौके पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3192 के गवर्नर श्रीनिवास मूर्ति, पूर्व गवर्नर जितेंद्र अनेजा, सीएसआर पार्टनर एवं रोटरी जंक्शन के पूर्व अध्यक्ष डॉ मिलिंद देशपांडे, रोटरी जंक्शन के अध्यक्ष सुरेश अरेकरे, पूर्व अध्यक्ष अजय भाऊवाला एवं विजय सराफ़ शामिल थे।

बीजेएस प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित रत्न हितैषी भवन में भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) कर्नाटक प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र लुंकड के मुख्य आतिथ्य में कर्नाटक प्रदेश के 55 शाखाओं से 140 से अधिक कार्यकारिणी सदस्यों ने इस मीट में भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवाओं के लिए जैन समाज के 19 संघों व संस्थाओं को सम्मानित किया गया। प्रथम सत्र में प्रांतीय अध्यक्ष उत्तमचंद बांठिया ने कार्यक्रम को विधिवत प्रारम्भ करने की घोषणा करते हुए उपस्थितजनों का स्वागत किया। प्रांतीय महामंत्री आशीष भंसाली ने संस्था की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए जल संग्रहण व स्मार्ट गर्ल्स प्रोजेक्ट जैसी महत्ती योजनाओं पर सरकार के साथ अनुबंध के बारे में जानकारी दी। सत्र को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम बाफना, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष महावीर पारेख, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनेश पालरेचा, प्रांतीय संस्थापक अध्यक्ष ओमप्रकाश लुणावत ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में स्मार्ट गर्ल्स प्रोजेक्ट हैड एसपी मालिनी व मैट्रिमोनी हैड पुष्पा लुंकड ने प्रगति की जानकारी स्क्रीन प्रजेंटेशन के माध्यम से दी।

दूसरे सत्र को राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र लूंकड ने कहा कि सेवा के उच्च विचार के साथ लक्ष्य निर्धारण करना आवश्यक है जिससे वांछित उद्देश्यों को प्राप्त कर सकें। प्रांतीय प्रचार प्रसार प्रमुख महीपाल सुराणा ने जानकारी देते हुए बताया कि मीट में प्रांत के प्रत्येक रीजन में 3 नए चैप्टर प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया तथा आगामी कार्यकारिणी समिति मीट हुब्बल्ली में आयोजित होगी। कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रकाशचन्द गुलेच्छा व गौतमचंद विनायकिया, पूर्व प्रांतीय मंत्री विजय रुणवाल, जयंतीलाल धनेशा, सुखराज विनायकिया, राजेश धोका, पियूष बलाई, विक्रम जैन, सुरेशकुमार कानूंगा, बेलगावी सचिव श्रीपाल खेंमलापुर आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कमलेश भंडारी और वर्षा भंसाली ने किया।

जीवदया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में जिनदत्तकुशल सूरी जैन सेवा मंडल द्वारा गौवंश के लिए रोटी, गुड़ और ज्वार आदि का संग्रह किया गया। जीवदया कार्यक्रम में मंडल के प्रत्येक सदस्य ने रोटी संग्रहण और अलग अलग गौशालाओं में टीम बनाकर रोटी व अन्य सामग्री का वितरण किया। इस मौके पर उपस्थित साध्वीश्री सुलोचनाश्री जी ने खाद्य सामग्री पर वासक्षेप डालकर सामग्री गौशाला के लिए रवाना की।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम बड़ेर प्रांगण में श्री आई माताजी के जीवन पर आधारित श्री आईजी नामक फिल्म का प्रदर्शन किया गया। आईजी फिल्म टीम के गौतम चोयल, हेमंत चोयल एवं लखाराम चौधरी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष हनुमंतराम बरफा, सीरवी पंचायत समिति जैतारण सचिव किशनलाल चोयल, सहसचिव जुगराज चोयल, कोषाध्यक्ष मांगीलाल राठौड़ सहित बड़ी संख्या में महिला व युवा सदस्य उपस्थित थे।

दंपत्ति कार्यशाला 'सातवां जन्म' का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के सान्निध्य में दंपत्ति कार्यशाला 'सातवां जन्म' का आयोजन तेरापंथ भवन गांधीनगर में किया गया।

मुनि हिमांशुकुमारजी ने सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए बिंदुओं की चर्चा करते हुए कहा कि एक दूसरे को आपस में कल्याण मित्र बनना चाहिए, अपने भाग्य की सराहना करनी चहिए, पुरानी बातों को भूलकर आगे बढ़ना चाहिए एवं एक दूसरे का अपमान नहीं करना चाहिये।

इस प्रकार इन सूत्रों को अपनाकर सुखी एवं स्वस्थ दाम्पत्य जीवन जीया जा सकता है। मुनिश्री हेमंतकुमारजी ने कहा कि पसंद में स्वार्थ निहित है एवं प्रेम पवित्रता का प्रतीक है। पति-पत्नी एक दूसरे को समझने का प्रयास करें। कार्यशाला में कुल 121 दंपत्तियों ने भाग लिया। विजेता दंपत्तियों को पारितोषिक वितरित किया गया। संयोजक मनीष भंसाली एवं संयोजिका संगीता धोका ने विशेष सहयोग दिया

पुरुषार्थ हमारा परन्तु सफलता पुण्य का फल होती है : आचार्य अभयशेखरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

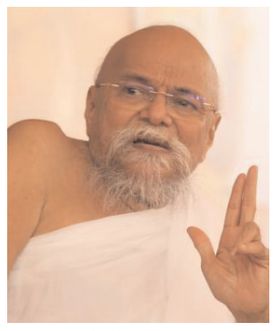

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि परिवार में नारी के चार रोल है , उझिका यानी फेंकना, भक्षिका यानी खाना बनाना, रक्षिका यानी सुरक्षा तथा रोहिणी यानी उगाना। हमारी घर की बेटियों को आधुनिक शिक्षा कितनी भी दो लेकिन घर चलाने की ये चार भूमिका सिखाना हमारा कर्तव्य है। कैसी भी स्थिति आए, हमें शांति से, स्वस्थ्ता से हर स्थिति में खुश रहना चाहिए। महत्त्वाकांक्षा रखो अपेक्षा नहीं। इच्छा रखने के लिए पुण्य नहीं चाहिए, इच्छा सफल होने के लिए पुण्य चाहिए। पुरुषार्थ करना हमारा कर्तव्य है लेकिन सफल होना पुण्य के हाथ में है। किसी भी स्थिति में हो उसको स्वीकार करने की तैयारी होनी चाहिए।

जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जैन समाज द्वारा की जा रही मांग को मानते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन किया जाना एक अच्छा संकेत है। कर्नाटक कांग्रेस अल्पसंख्यक हुब्बल्ली जिला उपाध्यक्ष संजय सेठ ने खुशी जताते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षो में अल्पसंख्यक जैन समाज के तीर्थो, संतों पर हमले, तीर्थो पर अतिक्रमण व कब्जे का प्रयास किया जा रहा है उससे जैन समाज उद्वेलित है, इसलिए जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड गठन की मांग लंबे समय से की जा रही थी। राजस्थान सरकार ने इस बोर्ड को गठन कर जैन समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है उसके लिए राजस्थान सरकार को धन्यवाद है। सेठ ने कहा कि शीघ्र ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री से मिलकर कर्नाटक मे भी श्रमण संस्कृति बोर्ड गठन करने की मांग रखी जायेगी।

'जीतो' का 70 दिवसीय एथेलेटिक्स खेल प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ चैप्टर द्वारा 12 वर्ष से ऊपर की आयु वाले युवा खिलाड़ियों को पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्धेश्य से कंटीरवा स्टेडियम में 70 दिवसीय एथेलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ किया गया।

एनआईएस द्वारा प्रमाणित प्रशिक्षकों के निर्देशन में आयोजित इस खेल शिविर में खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर इस व्यावसायिक खेल में कुशल तथा सशक्त बनेंगे। जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा के अनुसार जरूरतमंदों को आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक रूप से सक्षम बनाने की प्रतिबद्धता का निर्वाहन करते हुए जीतो युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को मजबूत कर उन्हे पोषित करने जैसी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिये कर्तव्यपरायण है।

महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल के अनुसार युवा खिलाड़ियों को एथलेटिक फिटनेस, गुणवत्ता परीक्षण, खेल विश्लेषण और प्रशिक्षण के बाद स्पर्धा सुविधा में कठिन प्रशिक्षण का सामना करना होगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह होगी कि आगामी सितंबर में आयोजित होने वाले कर्नाटक राज्य जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के चयन का परीक्षण इन्ही प्रशिक्षुओं में से हो सकेगा।

योजना संयोजक आशोक करबावाला ने कहा कि कंटीरवा स्टेडियम और सम्मानित प्रशिक्षकों के जीतो का सहयोग खेल उत्कृष्टता के संस्कृति को पोषण करने की ओर एक महत्वपूर्ण क़दम है।

उन्होंने कहा कि विश्व-स्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाओं द्वारा खिलाड़ियों की नयी पीढ़ी को प्रेरित कर सकते हैं जो न केवल सिर्फ खेल में उत्कृष्ट होंगे बल्कि खेलबंदगी और सहनशीलता के प्रतिदूत होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में 25 खिलाड़ी प्रशिक्षण लेंगे।

शिविर शुभारंभ के अवसर पर उपाध्यक्ष उदय जैन, सचिव संजय भंडारी, प्रबंधन समिति के सदस्य गणपतलाल बगरेचा, राजेश बोहरा, राजेश इसरानी एवं सुनील मेहता भी उपस्थित थे।

नमोत्थुणं पर आधारित विशेष मंत्रों का मुनि सुधाकर ने कराया अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर के अध्यक्ष अंकुश बैद के नेतृत्व में परिषद टीम एवं महिला मंडल सदस्याओं ने शिव्वमोग्गा में विराजित मुनिश्री सुधाकरजी के दर्शन कर आयोजित नमोत्थुणं जप अनुष्ठान में संभागी बने। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि मंत्र जहां साधक के जीवन में आध्यात्मिकता का विकास करता है, वही आधि-व्याधि-उपाधि से निजात दिलाता है। शारीरिक, मानसिक कष्टों को भी काटता है। पारिवारिक, सामाजिक माहौल में भी सौहार्द, सामंजस्य, मैत्री, प्रेम के प्रवाह को प्रवाहित करने में सहायक बनता हैं, बढ़ाता है। तेयुप से अध्यक्ष अंकुश बैद, प्रमार्शक महावीर बोल्या, पवन बोथरा, धर्मेश कोठारी, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, मंत्री राजीव हीरावत, सहमंत्री देवेंद्र आंचलिया, सुमित चिंडालिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बसवनगुड़ी में परमात्मा नेमीनाथ के जीवन चरित्र का जीवंत मंचन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्री की प्रेरणा से परमात्मा नेमीनाथ जीवन चरित्र मंचन किया गया। साध्वीश्री प्रियकल्पनाश्रीजी के मार्गदर्शन में और अदिती कोठारी के निर्देशन में इस स्टेज कार्यक्रम में चालीस से अधिक संघ के सदस्यों ने कलाकार के रुप में अपनी अपनी भूमिका अदा की। नेमकुमार और राजुल के साथ महाराजा समुद्रविजय और उग्रसेन, महारानी शिवादेवी और धारिणी देवी, कृष्ण - बलराम और रानियां, इन्द्र, इन्द्राणी, भुआ, भूरोसा, महामंत्री, राजपुरोहित, सेनापति, छड़ीदार के साथ राजुल की सखियां आदि प्रत्येक चारित्र ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। साध्वीवर्या ने अपने संदेश में कहा कि परमात्मा के कल्याणक देखने और उजमणी करने से हमारा भी कल्याण होता है। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

ईमानदारी से खुद का आकलन करें : साध्वी भव्यगुणाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि कभी ईमानदारी से खुद का आकलन करें कि आप भारत में है या इंडिया में है। भारत कहता नेकी कर कुएं में डाल ओर इंडिया कहता नेकी कर फेसबुक पर डाल। भारत के घर वह थे, जहां बच्चों को दादा-दादी झूठ नहीं बोलना, चोरी नहीं करना, बड़ो के चरण स्पर्श करना जैसी शिक्षा देते थे। हैरी पोटर वाले घर भारत के नहीं इंडिया के हो सकते है। भारत के घर ऐसे होते है जहां भाई को मुसीबत में देख भाई सब छोड़ दौड़ पड़ता है। लिव इन रिलेशन कल्चर में विश्वास रखने वाले भारत के नहीं हो सकते है।

हम चाहे तो अपने घर को इंडिया से निकाल भारत वाला बना सकते है। मेघराज भंसाली ने बताया कि भिवंडी से आए मेहमानों का स्वागत ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने किया। आरती का लाभ मनोज परमार ने लिया।

क्रोध कोरोना जैसा है : साध्वी संस्कारनिधि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी ने 'क्रोध से बोध की ओर' विषय पर कहा कि क्रोध स्वयं के मन में संताप एवं दूसरों के मन में उद्योग जगत आए क्रोध वहीं की आधारशिला है और क्रोध संस्कृत का अवरोधक है क्रोध कोरोना जैसा है। कैंसर में शत्रु भी मित्र बन जाता है। क्रोध में मित्र भी शत्रु बन जाता है एक भी परिस्थिति क्रोध करने योग्य नहीं होती हम भी हमारी मनो स्थिति के कारण क्रोध करते हैं बिना सी वस्तु एवं व्यक्ति के लिए क्रोध करके हम अविनाशी आत्मा को कष्ट न दे।

'जीवन माध्यम के सहारे ही चलता है'

राणीबेन्नूर/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि जीवन माध्यम के सहारे ही चलता है। चाहे कर्म के माध्यम से भाग्य के माध्यम से, निमित्त माध्यम से या पुण्य के माध्यम से। मां हमेशा बेटे और पिता के बीच माध्यम बनती है। दो पीढियों की दूरी कम करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पत्नी जीवन में एक अति व महत्वपूर्ण माध्यम होती है। पहले पति की प्रेम करना सिखाती है। उसे शान्त रहना सिखाती है। कालान्तर में वही पति के मन में विरक्ति का भाव भी पैदा करती है। ताकि वह परमात्मा की ओर मुड सके। प्रेम दिशा बदलना उसके जीवन का बड़ा हेतु है। इसके बिना कोई व्यक्ति आध्यात्मिक विकास नहीं कर सकता। फूल में सुगंध है, फैला नहीं सकता। वह माध्यम है बनती है। पूरे वातावरण में सुगंध व्याप्त हो जाती है। सभी साधन सुविधाएं हमारे माध्यम है, लेकिन भौतिक माध्यमों का मूल्य अ धिक नहीं होता। जीवन को सार्थकता देने वाले माध्यम सर्वोपरि होते है। गुरु भीतर के विश्व से परिचय कराते हैं। स्वयं से स्वयं का परिचय कराते हैं तभी जीवन सार्थक सिद्ध हो पाता है।

जिन शासन वंदनावली कार्यक्रम में गूंजे जिनशासन के जयकारे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि हमें मोह से मुक्त होना चाहिए। दुःखों का मूल ममत्व ही है। जैसे जीवन में अशरणता है, वैसे जीवन ही अशरण है। मनुष्य अपने जीवन में कई बार अशरणता का अनुभव करता है। जहाँ जहाँ उसके बल, बुद्धि, शक्ति, संपत्ति वगैरह शरणभूत नहीं बनते हैं, स्वजन परिजन भी शरणभूत नहीं बनते हैं, वहाँ मनुष्य घोर दुःख का अनुभव करता है। मनुष्य को अपना जीवन प्रिय होता है, और जब वह जीवन को खतरे में देखता है, तब दुःखी हो जाता है। जब बचने का कोई मार्ग नहीं दिखता है तब वह मर जाने का, आत्महत्या कर देने का सोचता है। चित्र-संभूत दो भाई का जीवन इस बात का श्रेष्ठ उदाहरण है जीवात्मा की हर जीवन में, हर गति में कैसी अशरण स्थिति है, यह बताकर शरणभूत चार परमतत्त्व ही हैं यह बात बतायी गई है। चार शरण बार-बार स्वीकार करने हैं जब चित्त में शान्ति हो, तब दिन में सुबह, दोपहर और शाम तीन समय शरणागति स्वीकारें। जब चित्त अशान्त हो, तब बार-बार शरणागति का स्वीकार करते रहें। शान्ति -समता प्रसन्नता प्राप्त होगी।

'धर्म आराधना करने से पुण्योपार्जन होता है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि धर्म आराधना करने से पुण्योपार्जन होता है। पुण्य जितना मजबूत होगा उतना हमें हमारी वस्तु प्राप्त करने में सुलभता होगी क्योंकि पुण्य के बिना हमको कुछ मिलता नहीं, मनुष्यभव भी मिला तो वो भी पुण्य से मिला, आर्यदेश मिला, वो भी पुण्य से मिला अच्छा कुल, संस्कार देने वाले माता- पिता और भवसागर से तारने वाला एसा कल्याणकारी जिनशासन मिला। मुनिश्री ने पुण्य करने के अलग-अलग नौ प्रकार बताए, पहला पुण्य अन्न शुभभाव से निस्वार्थ भावना पूर्वक भोजन देना साध को सुपात्रदान देना, साधार्मिक भक्ति करना, किसी भूखे को प्रेमपूर्वक भोजनादि।

पूजा

श्रावण के पवित्र महीने के अवसर पर सोमवार को पटना के एक मंदिर में भक्त भगवान शिव की पूजा करते हुए।

सिद्दरामैया ने कहा, वंचितों, बेजुबानों को मुख्यधारा में लाना जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि वह समाज के वंचित लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। सामाजिक जिम्मेदारी विषय पर सेमिनार का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में लगभग 25 प्रतिशत लोगों को अभी भी शिक्षा नहीं मिल पाई है। आर्थिक असमानता और भी अधिक है। इसलिए मैं वंचितों को मुख्यधारा में लाने और समाज में सभी को न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि पत्रकारों को आत्मनिरीक्षण करने की ज़रूरत है कि क्या वे पत्रकारिता की नैतिकता के अनुसार काम कर रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर ने उदाहरण पेश किया है कि एक पत्रकार को कैसा होना चाहिए। गरीब, वंचितों को आवाज देना मीडिया पेशे का उद्देश्य, आकांक्षा और जिम्मेदारी है।

सामाजिक असमानता पारंपरिक रूप से सदियों से चली आ रही है। इस प्रकार समाज का अधिकांश हिस्सा आर्थिक और सामाजिक असमानता तथा भेदभाव का शिकार हो गया है। अंबेडकर का जिक्र करते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान लागू होने से एक दिन पहले अपने ऐतिहासिक भाषण में कहा था, 'अगर देश को आर्थिक और सामाजिक आजादी नहीं मिलेगी, सिर्फ प्रशासनिक और राजनीतिक आजादी मिलेगी, तो असमानता के शिकार लोग एक दिन आजादी की इस इमारत को नष्ट कर सकते हैं।

सिद्दारमैया ने बताया कि लोग कभी नहीं पूछते हैं कि समाज ने उन्हें क्या दिया है बल्कि उन्हें आत्मावलोकन करना चाहिए कि समाज में उनका क्या योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष होने के बावजूद हमारे देश में असमानता है। सामाजिक और आर्थिक समानता जरूर होनी चाहिए वरना इसके बिना स्वतंत्रता अपना अर्थ खो देती है। उन्होंने कहा,' एक वक्त के बाद पत्रकारिकता का उद्देश्य बदल गया है। यह अब वैसा नहीं रहा है जैसे स्वतंत्रता से पहले था। इसका उद्देश्य सामाजिक न्याय होना चाहिए।'

सिद्दारमैया ने कहा कि समाजिक और आर्थिक असमानता के पीछे कई ऐतिहासिक कारण है और आज हम किसी पर दोष नहीं लगा सकते।

हालांकि समाज में इस खाई को पाटने की कोशिश की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोगों को अपने भीतर झांक कर देखना चाहिए कि उन्होंने कहां गलती की और जहां भी आवश्यक हो उसमें सुधार करें। अपनी सरकार की पांच 'गारंटी' (कांग्रेस पार्टी के चुनाव से पूर्व वादे) के बारे में सिद्दरामैया ने बताया कि ये यूनिवर्सल बेसिक इनकम से संबंधित थे। इनसे सामाजिक असमानता कम और लोगों की कमाई होगी ताकि वे खर्च कर सकें। यह अंत में राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा, 'पेट भरे लोगों का रवैया यह है कि मजदूर वर्ग भूखे पेट भी सो जाए तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन अन्नभाग्य योजना को लागू नहीं होने देंगे, यह समाज विरोधी सोच है।'

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तभी बढ़ेगी जब लोगों की जेब में पैसा होगा। यही कारण है कि हमारी सरकार ने कामकाजी लोगों की जेब में पैसा डालने वाले कार्यक्रम दिए हैं। इसके खिलाफ बीजेपी का रवैया असामाजिक है। इसलिए, पत्रकारिता पेशे से जुड़े लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि गरीब-समर्थक और जन-समर्थक परियोजनाएं लोगों तक पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा पांच से अधिक वरिष्ठ पत्रकारों एवं फोटोग्राफरों को सम्मानित किया गया। सेमिनार का आयोजन यहां प्रेस क्लब ऑफ बेंगलूरु और कर्नाटक यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स ने किया था।

सोमवार को बेंगलूरु के प्रेस क्लब में प्रेस दिवस के मौके पर आयोजित समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते मुख्यमंत्री सिद्दरामैया।

बाहरी लोगों के खिलाफ अपमानजनक बयान वाले ऑटो की तस्वीर की आलोचना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दूसरे राज्यों से बेंगलूरु आने वालों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी वाले एक ऑटो की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जिसकी व्यापक आलोचना हो रही है। ऑटो पर अंग्रेजी में लिखा है, तुम कर्नाटक में हो, कन्नड़ सीखो। अपना रुतबा मत दिखाओ (भद्दी सी गाली)। तुम यहां भीख मांगने आए हो।

वायरल पोस्ट ने महानगरीय संस्कृति के लिए मशहूर बेंगलूरु के लोगों को चौंका दिया है। रोशन राय, जिन्होंने तस्वीर साझा की थी, ने कहा, यह सर्वोच्च स्तर का ज़ेनोफोबिया है, क्षेत्रीय गौरव दूसरे राज्यों के लोगों के साथ तीसरे दर्जे के नागरिकों के रूप में व्यवहार करने का औचित्य नहीं हो सकता है। यूजर्स ने यह भी कमेंट किया है कि तस्वीर ऐसे खींची जानी चाहिए थी कि गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर भी दिखे। अन्य लोगों की राय है कि यह एक फोटोशॉप्ड क्लिक था।

बेंगलूरु में सोमवार को आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं पूर्व सहसरकार्यवाह मदनदास देवी के निधन पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई।

आरएसएस के पूर्व सह सरकार्यवाह मदनदास देवी का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक, पूर्व सह सरकार्यवाह और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व संगठन मंत्री मदनदास देवी का सोमवार सुबह निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। उन्होंने बेंगलूरु के राजराजेश्वरी नगर स्थित राष्ट्रोत्थान अस्पताल में आज सुबह पांच बजे अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा, श्री मदन दास देवी जी के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा में समर्पित कर दिया। उनसे मेरा न सिर्फ घनिष्ठ जुड़ाव रहा, बल्कि हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिला। शोक की इस घड़ी में ईश्वर सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिवारजनों को संबल प्रदान करे। ॐ शांति!

प्राप्त सूचना के अनुसार उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए बेंगलूरु स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय कार्यालय 'केशव कृपा' में सोमवार दोपहर में रखा गया। उनका अंतिम संस्कार महाराष्ट्र के पुणे में मंगलवार को प्रातः 11.00 बजे होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्र एवं समाज के निमित्त जीवन अर्पित करने वाले विराट व्यक्तित्व और पावन आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्र निर्माण में आपका अप्रतिम योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

मदनदास देवी का जन्म 09 जुलाई 1942 होना को हुआ था। वह मूलत: महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के करमाळा गांव के थे। शालेय शिक्षा के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए पुणे के बीएमसीसी कॉलेज में 1959 में प्रवेश लिया। एम कॉम के बाद आईएलएस लॉ कॉलेज से गोल्ड मेडल के साथ एलएलबी किया। बाद में सीए किया। पुणे में पढ़ाई के दौरान वरिष्ठ बंधु श्री खुशालदास देवी की प्रेरणा से वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आये। 1964 से मुंबई में उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में कार्य प्रारंभ किया। 1966 में अभाविप मुंबई के मंत्री हुए। वर्ष 1968 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कर्णावती राष्ट्रीय अधिवेशन में उन्हें पूर्णकालिक कार्यकर्ता एवं पश्चिमांचल क्षेत्रीय संगठन मंत्री के दायित्व मिला तथा 1970 के तिरुअनंतपुरम अधिवेशन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री की जिम्मेदारी प्राप्त हुई। वह वर्ष 1992 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख तथा 1993 में संघ के सह – सरकार्यवाह बने। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और संघ के बीच समन्वय का दायित्व भी संभाला।

कर्नाटक में उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकी

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय के प्रेस सूचना अधिकारी द्वारा खुद के अलावा कई न्यायाधीशों को भी जान का खतरा होने संबंधी शिकायत दर्ज कराये जाने के बाद यहां केंद्रीय 'सीईएन' अपराध पुलिस थाने में अज्ञात संदिग्धों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। के. मुरलीधर ने 14 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्हें 12 जुलाई को शाम करीब 7 बजे एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से व्हाट्सऐप मैसेंजर पर संदेश मिला था। उनका मोबाइल नंबर उन्हें आधिकारिक तौर पर उच्च न्यायालय द्वारा प्रदान किया गया है। पुलिस ने कहा कि हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में आये संदेश में मुरलीधर और उच्च न्यायालय के छह न्यायाधीशों को 'दुबई गिरोह' के माध्यम से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी गई है। इन न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति मोहम्मद नवाज, न्यायमूर्ति एच टी नरेंद्र प्रसाद, न्यायमूर्ति अशोक जी निजगन्नावर (सेवानिवृत्त), न्यायमूर्ति एच पी संदेश, न्यायमूर्ति के नटराजन और न्यायमूर्ति बी वीरप्पा (सेवानिवृत्त) शामिल हैं।

संदेश में पांच संदिग्ध मोबाइल फोन नंबर और धमकी भी थी। प्राथमिकी 14 जुलाई को दर्ज की गई, जिसमें कहा गया है कि धमकी भरे संदेश में पाकिस्तान के एक बैंक खाते में 50 लाख रुपये जमा करने को कहा गया है।

चोरी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु। राजाजीनगर पुलिस ने कथित तौर पर घरों में तोड़फोड़ करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान तुमकुर के रहने वाले रफीक उर्फ सेतु (29) के रूप में हुई है। पुलिस ने 22.08 लाख रुपये का सोना बरामद किया है, जिसमें 409.39 ग्राम वजन के सोने के आभूषण, 425.8 ग्राम वजन के चांदी के आभूषण और 189.15 ग्राम वजन के नकली सोने के आभूषण शामिल हैं।

पुलिस ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ शहर और अन्य जिलों के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 20 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें चिक्कमगलुरु, चित्रदुर्गा, मंड्या, नेलमंगला और तिप्टुर पुलिस स्टेशन शामिल हैं। हाल ही में, प्रकाशनगर में एक किराना दुकान के मालिक ने शिकायत की कि उसकी दुकान में तोड़फोड़ की गई और 50,000 रुपये नकद चोरी हो गए।

सिंगापुर के सात उपग्रहों को 30 को प्रक्षेपित करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत 30 जुलाई को सिंगापुर के एक उपग्रह को प्रक्षेपित करेगा जिसमें इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) द्वारा विकसित सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) पेलोड है, जो सभी मौसम स्थितियों में तस्वीरें लेने में सक्षम है। भारतीय रॉकेट पीएसएलवी-सी56 रविवार सुबह 6.30 बजे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट के पहले लॉन्च-पैड से छह अन्य उपग्रहों के साथ सिंगापुर के डीएस-एसएआर उपग्रह को कक्षा में स्थापित करेगा।

डीएस-एसएआर उपग्रह को सिंगापुर की रक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी (डीएसटीए) और सिंगापुर के ही सिंगापुर टेक्नोलॉजीस इंजीनियरिंग लिमिटेड (एसटी इंजीनियरिंग) के बीच साझेदारी के तहत विकसित किया गया है। सिंगापुर सरकार की विभिन्न एजेंसी की उपग्रह से प्राप्त होने वाली तस्वीरों संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस उपग्रह का उपयोग किया जाएगा।

एसटी इंजीनियरिंग अपने वाणिज्यिक ग्राहकों को मल्टी-मॉडल एवं उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें और भू-स्थानिक सेवाएं मुहैया कराने के लिए इसका उपयोग करेगा। इसरो ने सोमवार को ट्वीट किया कि अंतरिक्ष विभाग के तहत केंद्र सरकार के उपक्रम 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (एनएसआईएल) ने 360 किलोग्राम वजनी डीएस-एसएआर उपग्रह और छह अन्य उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने के लिए पीएसएलवी-सी56 खरीदा है। इसरो के अध्यक्ष सोमनाथ एस ने बताया, 'यह एक वाणिज्यिक मिशन है।' इसरो ने बताया कि छह अन्य उपग्रहों में वेलोक्स-एएम शामिल है जो प्रौद्योगिकी प्रदर्शन सूक्ष्म उपग्रह है। इसके अलावा प्रायोगिक उपग्रह एटमॉस्फेरिक कपलिंग एंड डायनेमिक्स एक्सप्लोरर (आर्केड) और 3यू नैनो उपग्रह स्कूब-2 को भी अंतरिक्ष ले जाया जाएगा।

इसरो ने बताया कि शहरी और दूरस्थ इलाकों में उपकरणों एवं कलाउड के बीच निर्बाध संपर्क सेवा मुहैया कराने वाले उन्नत 3यू नुलायन (नुस्पेस द्वारा विकसित), पृथ्वी की निचली कक्षा में परिक्रमा करने वाले 3यू नैनो उपग्रह गैलासिया-2 और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से विकसित ओआरबी-12 स्ट्राडर को भी पीएसएलवी-सी56 के साथ प्रक्षेपित किया जाएगा।

जमीन की कीमतों में उछाल से दक्षिण के विधायक ज्यादा मालदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश के 28 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 100 सबसे अमीर विधायकों में से आधे से ज्यादा चार दक्षिणी राज्यों कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना से हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इसके अनुसार, शीर्ष 100 की सूची में शामिल 52 विधायकों में से सबसे ज्यादा 34 कर्नाटक से हैं। इसके बाद आंध्र प्रदेश से 10, तमिलनाडु से पांच और तेलंगाना से तीन विधायक हैं।

इससे यह भी पता चलता है कि दक्षिण में राजनीति में आने वाले उच्च आय वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण दक्षिण भारतीय राज्यों के प्रमुख शहरों और उनकी राजधानियों के आसपास जमीन की कीमतों में आया उछाल भी शामिल है। यह भी माना गया है कि इसके पीछे संपत्ति घोषित करने में पारदर्शिता की बड़ी भूमिका है। दक्षिण के ज्यादातर विधायकों ने कई जगह निवेश किए हैं, जो काफी हद तक कानूनी हैं। बताया गया है कि उत्तरी राज्यों के विपरीत दक्षिणी राज्यों के अधिकांश विधायकों के पास अधिक सफेद धन है, जो उन्होंने हलफनामे में घोषित किया है। हालांकि विश्लेषक दक्षिणी राज्यों में उत्तरी राज्यों के विधायकों की तुलना में अधिक अरबपति विधायकों के होने की और भी वजह मानते हैं।

बताया गया कि दक्षिणी राज्यों के जो विधायक अरबपति हैं, उन्होंने रियल एस्टेट में भारी निवेश किया है। जब शहरों और उनके आसपास जमीन की कीमतों में उछाल आया तो विधायकों की दौलत भी बढ़ गई। शीर्ष तीन सबसे अमीर विधायक कर्नाटक से हैं। उनका अचल संपत्ति में संयुक्त निवेश करीब 2,198 करोड़ रुपए बनता है। उनकी घोषित संपत्ति 3,836 करोड़ रुपए की है। दौलत में उछाल नजर आने की एक और बड़ी वजह हालिया विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। जब विधायक चुनाव में जाते हैं तो हलफनामे में दिए गए संपत्ति के ब्योरे में उछाल दिखाई देता है।

केनरा बैंक का मुनाफा 75 फीसदी उछला

बेंगलूरु/नई दिल्ली/दक्षिण भारत। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने इस वर्ष 30 जून को समाप्त तिमाही में 3535 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2022 करोड़ रुपये की तुलना में 75 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि 30 जून को समाप्त इस तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 27.72 प्रतिशत बढ़कर 8666 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह राशि 6785 करोड़ रुपये रही थी। बैंक ने कहा कि इस तिमाही में विभिन्न मदों में किये गये प्रावधानों में 26 प्रतिशत की कमी आयी है और कुल 2719 करोड़ रुपये के प्रावधान किये गये हैं जिसमें से गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के लिए 2418 करोड़ रुपये शामिल है। इस तिमाही में बैंक का सकल एनपीए 1.83 प्रतिशत घटकर 5.15 प्रतिशत पर आ गया और इस दौरान शुद्ध एनपीए भी 91 आधार अंक कम होकर 1.57 प्रतिशत पर रहा।

तटीय कर्नाटक में भारी बारिश से नदियों में जलस्तर बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ और उडुप्पी जिलों में लगातार हो रही बारिश की वजह से क्षेत्र में कई नदियां बीते दो दिन से उफान पर हैं जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है। दक्षिण कन्नड़ जिले में नेत्रवती और फालगुनी तथा कई छोटी नदियों का जलस्तर बढ़ने से इनके तटों के पास रहने वाले लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि बंतवल तालुका में कुछ परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है।

तालुका में सुपारी बागान का बड़ा इलाका पानी में डूब गया है जिससे किसानों के लिए परेशानी उत्पन्न हो गई है। दक्षिण कन्नड़ और उडुप्पी जिलों की कई तालुकाओं में सोमवार को भी स्कूल बंद रहे, क्योंकि अधिकारियों ने छुट्टियां घोषित की हुई हैं। कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर का घाट डूब गया है और कुमाराधारा नदी का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है। श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे बारिश थमने तक मंदिर न आएं। मंजेश्वर-सुब्रह्मण्य राज्य राजमार्ग अब भी पानी में डूबा हुआ है जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है। सूत्रों ने बताया कि उडुप्पी जिले में करवालू इलाके के एक पर्वत पर भूस्खलन हुआ जिससे 'हाई टेंशन' विद्युत खंभों के लिए खतरा पैदा हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि जरूरी एहतियाती कदम उठाए गए हैं और अगर ये खंभे क्षतिग्रस्त होते हैं तो कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है। वहीं, मौसम विज्ञान विभाग ने 27 जुलाई तक तटीय कर्नाटक में मध्यम स्तर की बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण कर्नाटक में बाढ़ का खतरा है और भारी बारिश के बाद कई छोटी नदियां उफान पर हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारी बारिश के मद्देनजर अधिकारियों ने नौ जिलों बेलगावी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, हावेरी, हासन, शिवमोगा, उडुप्पी, दक्षिण कन्नड़ और कोडागु में सोमवार को स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश की घोषणा की गई।

मौसम विभाग ने तीन तटीय जिलों उडुप्पी, दक्षिण कन्नड़ और उत्तर कन्नड़ के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। विभाग ने बताया कि कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में अस्थायी रूप से बाधित होने, यातायात जाम होने और 'कच्ची' एवं असुरक्षित संरचनाओं को नुकसान होने की आशंका है। विभाग के अनुसार चिक्कमगलुरु, कोडागु, शिमोगा के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' की घोषणा की गई है, जबकि बेलगावी, हावेरी, कलबुर्गी, विजयपुरा और हासन के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। सूत्रों ने बताया कि शिवमोगा जिले के भद्रावती में रहने वाले 23 वर्षीय शरथ कुमार इंस्टाग्राम वीडियो बनाने के लिए उडुप्पी जिले के बिंदूर में अरिशिनगुंडी झरने पर गया था। झरने के किनारे एक चट्टान पर खड़ा होने के दौरान वह फिसलकर बह गया। उसकी तलाश की जा रही है।

दक्षिण कन्नड़ और उडुप्पी जिलों के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश जारी है। पिछले दो दिन में क्षेत्र की कई नदियों में जल स्तर बढ़ता जा रहा है, जिससे निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नेत्रावती, फाल्गुनी और दक्षिण कन्नड़ जिलों के कई हिस्सों में जल स्तर नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए खतरा हो गया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. CAO/CN/BNC/145/2023 दिनांक: 12.06.2023 को शुद्धिपत्र-2

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
ईपीसी मोड पर दूरसंचार और विद्युत कार्यों सहित धारवाड़-बेलगाम नई लाइन परियोजना (73.10 किमी) के तहत क्याराकोप्पा (एक्सक्लूसिव) (सीएच:6100) और मम्मीगट्टी (इनक्लूड) (सीएच:17800) (11.700 किमी) के बीच नई ब्रॉड गेज लाइन ट्रैक का निर्माण। (निविदा संदर्भ संख्या: DWR-BGM-EPC-01)	रू. 243,66,29,736/-

मौजूदा बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 05.08.2023 की 11:00 बजे तक।
संशोधित बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 05.10.2023 की 11:00 बजे तक।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
उप मुख्य अभियंता / निर्माण / कार्य बेंगलुरु छावनी
PUB/258/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

विधानसभा में हाथापाई की नौबत, गुढ़ा एवं दिलावर सदन से निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को लाल डायरी को लेकर सदन में दिनभर हंगामा हुआ और हाथापाई तक नौबत आ गई। इस कारण जहां सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी वहीं बर्खास्त मंत्री एवं विधायक राजेन्द्र सिंह गुढ़ा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मदन दिलावर को पन्द्रहवीं विधानसभा की शेष अवधि के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया।

हंगामें की शुरुआत उस समय हुई जब प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव पर बोलने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डा सी पी जोशी ने करीब 12 बजकर छह मिनट पर विधायक नारायण बेनीवाल का नाम पुकारा और वह बोलने लगे तभी विपक्ष भाजपा के सदस्य खड़े हो गए और हाथों में लाल डायरी लिए हुए सदन की वेल में आ गए।

इस दौरान लाल डायरी हाथ में लिए हुए गुढ़ा भी आसन के सामने आ गए और लाल

डायरी लहराते हुए अध्यक्ष से इस पर सदन में बोलने की अनुमति मांगने लगे। इस पर अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी और अपनी जगह पर बैठने के लिए कहा।

डा जोशी ने कहा कि वह उनके चैम्बर में आकर अपनी बात कह सकते हैं। लेकिन गुढ़ा आसन के सामने ही खड़े रहे और बोलते रहे। इस दौरान जोशी ने गुढ़ा से बार बार अपनी सीट पर जाने के लिए कहा लेकिन वह नहीं माने और बाद में वह संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल की तरफ जाकर उनकी डेस्क पर लगे माइक पर हाथ से प्रहार किया। इस बीच कांग्रेस विधायक रफीक खान बीच में आ गए और गुढ़ा को धारीवाल से दूर किया। इस दौरान पक्ष एवं विपक्ष के सदस्य आमने सामने आ गए और सदन में जोरदार हंगामा हुआ और हाथापाई की नौबत आ गई। इस बीच अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी। लेकिन इस पर हंगामा बंद नहीं हुआ और इस दौरान सुरक्षाकर्मी आ गए और गुढ़ा को सदन से बाहर ले गए। इसके बाद हंगामा शांत हुआ।

अगर मैं नहीं होता तो गहलोत जेल में होते : गुढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला तेज करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने रविवार को कहा कि अगर वह नहीं होते तो गहलोत जेल में होते लेकिन उन्हें बर्खास्त करने से पहले सफाई का भी मौका नहीं दिया गया। झुंझुनू जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अगर राजेंद्र गुढ़ा नहीं होते तो मुख्यमंत्री जेल में होते। एक 'लाल डायरी' का जिक्र करते हुए गुढ़ा ने दावा किया कि उन्होंने कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री के निर्देश पर 'लाल डायरी' को सुरक्षित रखा था। सैनिक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा, पंचायती राज और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रहे गुढ़ा को विधानसभा में कानून और व्यवस्था पर राज्य सरकार को घेरने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार शाम को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने झुंझुनू में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहने के बजाय सीधे बर्खास्त कर दिया गया।

उन्होंने कहा, अगर आपने(गहलोत ने) मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहा होता तो मैं इस्तीफा दे देता...आपको फोन करना चाहिए था और नोटिस देना चाहिए था। गुढ़ा ने कहा कि न्यायाधीश भी कार्रवाई से पहले एक मौका देते हैं। उन्होंने एक लाल रंग की डायरी का अस्पष्ट जिक्र करते हुए कहा कि गहलोत ने उनसे एक डायरी सुरक्षित रखने को कहा था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कहने पर उन्होंने डायरी सुरक्षित रख ली थी।

'लाल डायरी' के रहस्य से पर्दा उठा तो राजस्थान के कई नेताओं का राजनीतिक वजूद खतरे में पड़ जाएगा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर 'भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड तोड़ने' का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर 'लाल डायरी' के रहस्य से पर्दा उठा तो कई नेताओं का राजनीतिक अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। इससे एक दिन पहले राजस्थान के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक राजेंद्र गुढ़ा ने दावा किया था कि उन्होंने पार्टी नेता धर्मेंद्र राठौर के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग के छापे के बाद उनके निर्देश पर एक 'लाल डायरी' हासिल करके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को परेशानी से बचाया था।

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, उस लाल डायरी में ऐसा क्या है जो पूरी सरकार में 'घबराहट' है। राजस्थान का हर व्यक्ति इसका रहस्य जानना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि अगर गुढ़ा द्वारा उजागर की गई डायरी की सामग्री सामने आ गई तो कई नेताओं का राजनीतिक वजूद खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार खनन, भर्ती और परीक्षा जैसे विभिन्न घोटालों से संबंधित डायरियों से भरी हुई है।

सैनिक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा, पंचायती राज और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने वाले गुढ़ा को शुक्रवार शाम को गहलोत ने बर्खास्त कर दिया था। गुढ़ा इसके बाद ही गहलोत पर निशाना साध रहे हैं। गुढ़ा ने सोमवार को जयपुर में राजस्थान विधानसभा में एक लाल डायरी लहराते हुए हंगामा किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि इसमें राज्य सरकार से जुड़े अनियमित वित्तीय लेनदेन का विवरण है। राजस्थान के भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने गरीबों के लिए आवंटित धन का 'दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं को खुश करने' के लिए दुरुपयोग किया है। उन्होंने दावा किया कि डायरी में 500 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन का विवरण है। शेखावत ने आरोप लगाया कि राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि आयकर विभाग ने 2020 में गहलोत के एक करीबी व्यक्ति के यहां छापेमारी के दौरान डायरी बरामद की थी। शेखावत ने कहा कि गहलोत ने अपने हित के लिए गुढ़ा को मंत्री बनाया था लेकिन गुढ़ा ने अपनी अंतरात्मा की आवाज को दबाया नहीं। उन्होंने कहा कि गुढ़ा ने जो आरोप लगाए हैं वह गंभीर है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती।

भाजपा विधायकों तथा गुढ़ा के हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए गए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा तथा मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों के हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही सोमवार को बाधित हुई और बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर करीब तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

शून्यकाल शुरू होते ही मंत्री पद से बर्खास्त किए गए विधायक राजेंद्र गुढ़ा लाल रंग की एक 'डायरी' लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी के सामने पहुंचे। उन्होंने वह डायरी अध्यक्ष को देना चाहा लेकिन जोशी ने उन्हें अनुमति नहीं दी। जोशी ने गुढ़ा से उनके कक्ष में आने को कहा।

इसके बाद गुढ़ा संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल की ओर बढ़े तथा दोनों में कुछ बहस हुई। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने गुढ़ा को एक तरफ किया। सत्ता पक्ष के कई मंत्री भी वहां पहुंच गए। इस दौरान माहौल काफी गर्मागर्मी वाला दिखा। सदन में विपक्षी दल भाजपा के विधायकों ने 'लाल डायरी' को लेकर जवाब मांगते हुए नारेबाजी की। विपक्ष के कई विधायकों ने प्रतीकात्मक 'लाल डायरी' ले रखी थीं। इसके बाद जोशी ने सदन की कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा की। बाद में सूचित किया गया कार्यवाही दो बजे तक स्थगित की गई है।

दो बजे सदन की बैठक शुरू होने पर 'लाल डायरी' लिए हुए भाजपा सदस्यों का हंगामा और नारेबाजी जारी थी। कुछ भाजपा विधायक आसन के सामने आकर नारेबाजी करने लगे, और कुछ ने कागज फाड़कर भी फेंके। विधानसभा अध्यक्ष जोशी ने हंगामे के बीच ही कुछ विधेयक ध्वनिमत से पारित कराए। फिर उन्होंने अपराह्न दो बज कर करीब 25 मिनट पर कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित कर दी। गुढ़ा इस दौरान सदन में नहीं आए।

सुबह हंगामे के बाद कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित किए जाने के बाद गुढ़ा ने सदन के बाहर संवाददाताओं से कहा कि वह अपनी 'लाल डायरी' सदन के पटल पर रखना चाहते थे लेकिन अध्यक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। गुढ़ा ने कहा, अध्यक्ष ने मुझे बोलने की इजाजत नहीं दी। संसदीय कार्य मंत्री धारीवाल ने बोलना शुरू किया। मैंने धारीवाल से कहा कि मैं बोलना चाहता हूं, मुझे बर्खास्त किया गया है। गुढ़ा ने अपने इलाके में हुई एक कथित घटना की ओर इशारा करते हुए कहा, मैं इस घटना से आहत था और इस पर बोलना चाहता था। मुझ पर आरोप लगाए गए कि मैं भाजपा से मिला हुआ हूं। मुझसे माफी मांगने को कहा गया। मैं पूछना चाहता हूं कि मैं किस चीज की माफी मांगू, मेरी गलती क्या है?

उन्होंने कहा, मेरी डायरी छीन ली गई। मुझ पर हमला कर मुझे नीचे गिरा दिया गया। मुझे मार्शल ने नहीं बल्कि कांग्रेस के मंत्रियों ने बाहर निकाला। डायरी का आधा हिस्सा विधानसभा में मुझसे छीन लिया गया। लेकिन इसका आधा हिस्सा अभी मेरे पास है। उन्होंने कहा, मैं कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार हूं। मैं लड़ाई लड़ंगा, जनता के बीच जाऊंगा लेकिन किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटूंगा। बर्खास्त मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि यह डायरी उन्हें राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के आवास पर आयकर विभाग के छापे के दौरान मिली थी। गुढ़ा ने कहा कि छापे के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें डायरी सुरक्षित करने के लिए राठौड़ के आवास पर जाने के लिए कहा था और उन्होंने ऐसा ही किया।

गुढ़ा ने दावा किया कि धर्मेंद्र राठौड़ द्वारा लिखी गई डायरी में 'अनियमित वित्तीय लेनदेन' का ब्यौरा है और इसमें मुख्यमंत्री तथा उनके बेटे का नाम है। उन्होंने संवाददाताओं के बार बार कहे जाने के बावजूद अपने पास मौजूद डायरी खोल कर नहीं दिखाई। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पत्रकारों से कहा कि सदन में जो हुआ वह शर्मनाक है। राठौड़ ने कहा, गुढ़ा बयान देना चाहते थे। वह अपनी बात रखना चाहते थे और उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए थी।

माफी मांगने के बजाय संघर्ष करने का फैसला किया : राजेंद्र गुढ़ा

जयपुर ।राजस्थान में मंत्री पद से बर्खास्त किए गए विधायक राजेंद्र गुढ़ा ने सोमवार को कहा कि उन्होंने माफी मांगने के बजाय संघर्ष करने का फैसला किया है। साथ ही गुढ़ा ने कहा कि वह कथित 'लाल डायरी' के बारे में आज विधानसभा में खुलासा करेंगे। गुढ़ा ने सोमवार को विधानसभा की कार्रवाई शुरू होने से पहले संवाददाताओं से कहा, मैंने माफी मांगने के बजाय संघर्ष करने का रास्ता चुना है। मुझे किस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए? मैंने महिला सुरक्षा के लिए आवाज उठाई है।

गुढ़ा ने शुक्रवार को विधानसभा में महिला अत्याचार के मुद्दे पर अपनी ही सरकार को घेरा तो उसी रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया। गुढ़ा के पास सैनिक कल्याण पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग था।

'उनको लगता है कि रिपीट होगी, मगर ये सरकार डिलीट होगी' : पूनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। दौसा पहुंचे भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया कांग्रेस पर जमकर बरसे। पूनिया ने कहा कि कांग्रेस राज में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। आए दिन प्रदेश में बलात्कार और हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं। कांग्रेस के इस पौने पांच साल के कार्यकाल में 10 लाख 92 हज़ार मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया दौसा में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रतन तिवाड़ी को जन्मदिन की बधाई देने के लिए दौसा पहुंचे। दौसा पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

पूनिया ने कहा गहलोत सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र गुढ़ा ने राजस्थान में कांग्रेस सरकार के समय बढ़ते हुए अपराध पर सवाल किया तो उन्हें मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा। पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रतन तिवाड़ी की ओर से आयोजित सामूहिक भोज में सतीश पूनिया ने भाजपा कार्यकर्ताओं को खाना भी परोसा। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं से हाल भी जाने। मीडिया से रूबरू हुए पूनिया ने कांग्रेस सरकार को जमकर कोसा। पूनिया ने मुख्यमंत्री गहलोत के बयान- भाजपा को नहीं सहेगा राजस्थान, पर पलटवार करते हुए कहा कि यह नारा कांग्रेस के लिए ही है कि कांग्रेस को राजस्थान अब नहीं सहेगा। दुष्कर्म को नहीं सहेगा, भ्रष्टाचार को नहीं सहेगा, बेरोजगारी को नहीं सहेगा, दलितों, गरीबों और महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा, यह पंच लाइन कांग्रेस के खिलाफ है, जनादेश को समय बता देगा। पिछले पौने पांच सालों से जिस तरीके से 10 लाख 92 हजार मुकदमे दर्ज हुए और 17 बलात्कार-हत्या रोज़ाना होना, इसका प्रमाण है। उनकी नजर में लगता होगा कि सरकार रिपीट होगी, मुझे लगता है कांग्रेस परमानेंट डिलीट होगी।

पूनिया बोले- हाथ कंगन को आरसी क्या? पढ़े लिखे को फारसी क्या? इसलिए मुझे लगता है कि अशोक गहलोत को उनके मंत्री ने आईना दिखा दिया। राजेंद्र गुढ़ा ने विधानसभा के भीतर जो कहा है, वह कांग्रेस पार्टी के लिए पर्याप्त था। राजस्थान की कानून व्यवस्था इतनी बदतर है कि मुख्यमंत्री देश-दुनिया की पंचायती करते हैं। मुझे लगता है कि जो विग्रह हुआ वो जगजाहिर है। राजेंद्र गुढ़ा का बयान, विधायक भरत सिंह कुंदनपुर की चिट्ठी, रामनारायण मीणा का विधानसभा के सदन में बयान यह तमाम बातें थीं, तो अब मुझे लगता है कि गहलोत की गलतफहमी चुनाव आते आते दूर हो जाएगी।

मणिपुर मामले में पूनिया ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सारे मामले की जांच होगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन राजस्थान की सरकार में ना घर में कोई सुरक्षित है, ना कोई सड़क पर सुरक्षित है। इसलिए इन चीजों से बचने के लिए यह बेहतर तरीका है कि वह दूसरे प्रदेश की बात करें। बात राजस्थान की जाए, मुझे लगता है चुनाव आते-आते कांग्रेस परमानेंट डिलीट होगी। पूनिया ने कहा कि 27 जुलाई को प्रधानमंत्री किसानों के हृदय स्थल सीकर आएंगे और किसान निधि की राशि उनके खातों में सीधा ट्रांसफर होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व देश ने बहुत तरक्की की है। मणिपुर में भी जिस तरह के हालात थे, उन्हें काबू में लिया गया।

राजस्थान में सीआईएसएफ की तर्ज पर राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का गठन होगा

जयपुर। राजस्थान की औद्योगिक इकाईयों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तर्ज पर राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का गठन किया जाएगा। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल में तीन बटालियन गठित की जाएगी। इन बटालियन का मुख्यालय भिवाड़ी, चित्तौड़गढ़ एवं बालोतरा में होगा। इनका गठन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तर्ज पर होगा।

बयान में कहा गया कि भिवाड़ी बटालियन के कार्यक्षेत्र में जयपुर, अजमेर, सीकर, अलवर, झुंझुनूं, भरतपुर, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर जिले हैं। इनमें 3,81,694 पंजीकृत उद्यम/इकाईयां है। इसके अनुसार, चित्तौड़गढ़ बटालियन के दायरे में भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़ राजसमंद, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बारां, बूंदी जिले आएंगे। इनमें 2,39,339 पंजीकृत इकाईयां हैं। वहीं, बालोतरा बटालियन के कार्यक्षेत्र में जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, पाली, हनुमानगढ़, बाड़मेर, नागौर, चूरू, जालोर, सिरोही और जैसलमेर जिले शामिल होंगे। इनमें 3,53,528 पंजीकृत इकाईयां हैं।

पूजा

उदयपुर में सोमवार को नीलकंठ महादेव मंदिर में महादेव की पूजा-अर्चना कर विधिवत मंत्रोच्चार में साथ रुद्राभिषेक करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

फेसबुक के जरिए बने मित्र से मिलने के लिए पाकिस्तान आई अंजू : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेशावर/जयपुर। एक विवाहित भारतीय महिला अपने दोस्त से मिलने के लिए पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अंजू नामक महिला की 29 वर्षीय पाकिस्तानी व्यक्ति नसरुल्ला से फेसबुक पर दोस्ती हुई थी और फिर उसे उससे प्यार हो गया। अंजू (34) का जन्म उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में हुआ था और वह राजस्थान के अलवर जिले में रहती थी। वह अब अपने पाकिस्तानी दोस्त नसरुल्ला से मिलने के लिए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी दीर जिले में है।

'एआरवाई न्यूज' की खबर के अनुसार मेडिकल क्षेत्र में काम करने वाले नसरुल्ला और अंजू कुछ महीने पहले सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर दोस्त बने। खबर के अनुसार अंजू एक महीने के लिए पाकिस्तान की यात्रा पर है और वह यहां नसरुल्ला से शादी करने नहीं आई है। इसके अनुसार भारतीय महिला शुरू में पुलिस की हिरासत में थी लेकिन जिला पुलिस द्वारा उसके यात्रा दस्तावेजों का सत्यापन किए जाने के बाद उसे रिहा कर दिया गया।

एक सूत्र ने बताया, सभी यात्रा दस्तावेज सही पाए जाने के बाद उसे जाने की अनुमति दी गई। यह सुनिश्चित करने के लिए उसे सुरक्षा प्रदान की गई कि कोई अप्रिय घटना न हो जिससे देश का नाम खराब हो। दीर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा कि अंजू और उसके दोस्त को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मुश्ताक खाब और स्काउट्स मेजर द्वारा उसके दस्तावेजों को मंजूरी दिए जाने के बाद रिहा कर दिया गया। इन खबरों के बाद राजस्थान पुलिस की एक टीम अंजू के भिवाड़ी स्थित घर पर पूछताछ करने पहुंची। महिला के पति अरविंद ने पुलिस को बताया कि वह बृहस्पतिवार को जयपुर जाने के बहाने घर से निकली थी लेकिन बाद में परिवार को पता चला कि वह पाकिस्तान में है। अरविंद ने पुलिस को बताया, वह यह कहकर घर से निकली थी कि उसे अपने दोस्त से मिलना है। मैंने कुछ दिन पहले उससे व्हाट्सऐप पर बात की तो पता चला कि वह लाहौर में है। उन्होंने बताया कि उनकी शादी 2007 में हुई थी और तब से वे साथ रह रहे हैं।

भिवाडी के सहायक पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने पीटीआई भाषा को बताया कि अंजू के पति ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को घर से निकली थी। उसके पास वैध पासपोर्ट था। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर परिवार ने कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि दंपति भिवाड़ी में निजी फर्म में काम करते हैं और उनकी 15 साल की एक लड़की और छह साल का बेटा है।

अरविंद ने अपने घर पर मीडिया को बताया कि उसकी पत्नी अंजू ने अपनी बहन को बताया कि वह लाहौर में है और बाद में उसने व्हाट्सऐप कॉल पर बात की। अरविंद ने कहा कि वह अपनी पत्नी से बात करेंगे और वापस लौटने के लिए कहेंगे। अरविंद ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह घर लौटेंगी। अरविंद ने कहा कि उसने 2020 में अपना पासपोर्ट बनवाया था क्योंकि वह विदेश में नौकरी के लिए आवेदन करना चाहती थी। अरविंद ने कहा कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह सोशल मीडिया पर किसी के संपर्क में थी। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि अंजू का जन्म उत्तर प्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र में स्थित जालौन जिले के कैलोर गांव में हुआ था।

विपक्षी गठबंधन में अहम भूमिका देख रही सपा के लिए झटका, कई नेता भाजपा में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ विपक्ष की मोर्चाबंदी के बीच उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) को झटका लगा है। इन दोनों ही पार्टियों के कई अहम नेता सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की तुलना दो हजार रुपए के करेंसी नोट से करते हुए उन पर तंज किया है।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में सोमवार को रालोद के नेता पूर्व मंत्री राजपाल सैनी, सपा नेता व पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी, पूर्व सपा सांसद अंशुल वर्मा, सपा की पूर्व विधायक सुषमा पटेल, जौनपुर से समाजवादी पार्टी के नेता पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर तथा वर्ष 2019 में वाराणसी लोकसभा सीट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाली शालिनी यादव भाजपा में शामिल हो गईं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक की मौजूदगी में इन नेताओं ने भाजपा का दामन थामा। चौधरी ने कहा कि उनकी पार्टी वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटें जीतने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। हम सब मिलकर लक्ष्य पूरा करेंगे।

भाजपा में आज शामिल होने वाले ज्यादातर नेता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज से आते हैं। पूर्वांचल के प्रमुख ओबीसी नेता माने जाने वाले ओमप्रकाश राजभर और सपा विधायक पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान के सपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद आज अनेक अन्य वरिष्ठ नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होना सपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर एक ट्वीट कर तंज किया। उन्होंने कहा, कुछ लोग चले गए 2000 के नोट की तरह।

गौरतलब है कि नोटबंदी के बाद जारी हुए दो हजार रुपए के नोट को सरकार ने करीब साढ़े छह साल के बाद वापस लेने का फैसला किया है।

यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है जब विपक्षी दल सत्तारूढ़ भाजपा को आगामी लोकसभा चुनाव में हराने के लिए एकजुट हो रहे हैं और सपा उत्तर प्रदेश में अपनी बड़ी भूमिका का दावा कर रही है। सपा इस राज्य में मुख्य विपक्षी दल है और उसका रालोद के साथ गठबंधन है। सपा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बूथस्तर पर तैयारियों में जुटी है।

'हिट एंड रन के पेशेवर खिलाड़ी' संसद में चर्चा नहीं चाहते : नकवी का विपक्षी दलों पर निशाना

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में जारी गतिरोध को लेकर सोमवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि 'हिट एंड रन के पेशेवर खिलाड़ी' संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा नहीं चाहते। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, घृणित अपराध पर साजिश करने वाले, ना मुल्क के, ना मानवता के, ना मणिपुर के हितैषी हैं और ना ही संवेदनशील हैं। 'हिट एण्ड रन के पेशेवर खिलाड़ी' संवेदनशील विषय पर भी संसद में चर्चा के बजाय सड़क पर बहस करना चाहते हैं।

नकवी ने कहा, संघीय व्यवस्था में संसद, विधानसभा, केन्द्र और राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी तय है। मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली घटना पर घटिया सियासत के पीछे भारत को बदनाम करने की हताश मानसिकता है। विपक्षी दल संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से ही मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद के भीतर वक्तव्य देने और सदन में चर्चा कराने की मांग कर रहे हैं।

मणिपुर के खोंगसांग में पहली मालगाड़ी पहुंची, कारोबारियों को होगी बड़ी सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के तामेनलोंग जिले के खोंगसांग रेलवे स्टेशन पर सोमवार को पहली मालगाड़ी गुवाहाटी से पहुंची। अधिकारियों ने कहा कि मणिपुर में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण आवश्यक वस्तुओं की कमी को देखते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने राज्य के परिवहन विभाग के सहयोग से रविवार को हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य के लिए आवश्यक वस्तुओं से भरी पहली मालगाड़ी भेजी।

मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने ट्वीट में लिखा,'खोंगसांग रेलवे स्टेशन पर आज पहली मालगाडी के महत्वपूर्ण आगमन को देखकर प्रसन्नता हुई। इस विकास से मणिपुर के लोगों के लिए बहुत सारे अवसर पैदा होंगे और सामान एवं आवश्यक वस्तुओं की त्वरित ढुलाई सुलभ होगी। मुख्यमंत्री ने कहा,'सामान की निर्बाध ढुलाई निस्संदेह औद्योगिकी विकास को उत्प्रेति करेगी, व्यापार को बढ़ाएगी और अंततः जीवन की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि करेगी।

इस महत्वपूर्ण पहल के माध्यम से राज्य की आर्थिक संभावनाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभारी हूं। खोंगसांग स्टेशन की 2022 में जिरीबाम-इम्फाल नई लाइन परियोजना के तहत शुरुआत की गई थी। राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद 3 मई को रेल सेवा स्थगित कर दी गई थी।

एचएएल पर टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने साधा राहुल पर निशाना

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) पर 'हमला' करने के लिए सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के शेयर की कीमतें पांच गुना बढ़ गई हैं और इसने अपने वैश्विक दायरे को बढ़ाया है।

बेंगलूरु दक्षिण से लोकसभा सांसद ने एक ट्वीट में कहा, राहुल गांधी एचएएल और केंद्र पर हमला कर रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि एचएएल के शेयर की कीमतें पिछले पांच वर्षों में लगभग पांच गुना बढ़ गई हैं और इसके 80,000 करोड़ से अधिक के ऑर्डर बुक हैं।

भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष सूर्या ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने मलेशिया में नए कार्यालय के साथ विश्व स्तर पर विस्तार किया है। उन्होंने कहा, अर्जेंटीना अपने सशस्त्र बलों के लिए एचएएल के हेलीकॉप्टर चाहता है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एचएएल के शानदार विकास के बारे में कुछ लोगों को कोई जानकारी नहीं है। गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा नीत केंद्र सरकार पर सरकारी एयरोस्पेस कंपनी एचएएल को कमजोर करने और भारत की सामरिक क्षमता को नष्ट करने का आरोप लगाया था।

ट्वीटर परिचय में 'इंडिया' की जगह 'भारत' लिखने के साथ असम के मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तंज कसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विपक्ष के गठबंधन पर तंज कसते हुए सोमवार को कहा कि उन्होंने अपने 'ट्वीटर परिचय' में 'इंडिया' की जगह 'भारत' कर दिया है जो कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने की उनकी ''यात्रा को दर्शाता है।

विपक्षी दलों ने बेंगलूरु में हुई बैठक के बाद 18 जुलाई को अपने गठबंधन का ऐलान किया था जिसका नाम 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) रखा था।

इसके बाद शर्मा ने अपने ट्वीटर पर दिए अपने परिचय से 'चीफ मिनिस्टर ऑफ असम, इंडिया' में बदलाव करते हुए 'चीफ मिनिस्टर ऑफ असम, भारत' कर दिया। उन्होंने ट्वीटर पर कहा, (ट्वीटर पर) मेरे पिछले परिचय में मैंने असम, इंडिया' का उल्लेख किया था। मैं 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' से 'भारतीय जनता पार्टी' में जाने की अपनी यात्रा को अपडेट करना भूल गया था। अब मैंने अपने परिचय में गर्व से बदलाव करते हुए इसे 'असम, भारत' कर दिया है। कांग्रेस के कुछ मित्र मुझसे पूछ रहे हैं कि मैंने अपने परिचय में बदलाव क्यों किया है। मुझे उम्मीद है कि यह स्पष्टीकरण उन्हें संतुष्ट कर देगा। ट्वीटर परिचय में बदलाव करते हुए शर्मा ने कहा कि सभ्यतागत संघर्ष 'इंडिया' और 'भारत' के इर्द-गिर्द केंद्रित है। उन्होंने कहा, औपनिवेशिक विरासतों से खुद को मुक्त कराने के लिए संघर्ष करना चाहिए। शर्मा पर पलटवार करते हुए कांग्रेस ने कहा कि उन्हें यह प्रधानमंत्री को बताना चाहिए जिन्होंने सरकारी योजनाओं के 'स्किल इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' जैसे नाम दिए हैं।

सरकार मणिपुर पर चर्चा को तैयार है तो फिर विपक्ष क्यों भाग रहा है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्ष मणिपुर हिंसा पर संसद में चर्चा से भाग रहा है क्योंकि वह नहीं चाहता कि कुछ तथ्य सामने आएं।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के सभी सदस्यों से मणिपुर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा या बहस शुरू करने की अपील की। ईरानी ने कहा कि शाह ने संसद में बार-बार कहा कि गृह मामलों के प्रभारी मंत्री के रूप में वह 'कुछ तथ्यों' को प्रकाश में लाना चाहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया, चौंकाने वाली बात यह है कि विपक्षी दल तथ्यों को सामने नहीं आने देने की जिद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर का मुद्दा आंतरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। ईरानी ने कहा, जब गृह मंत्री उनसे आकर चर्चा करने को कह रहे हैं तो मणिपुर हिंसा के ऐसे कौन से तथ्य हैं जिन्हें कांग्रेस छिपाना चाहती है। शाह ने सोमवार को विपक्ष से मणिपुर मुद्दे पर संसद में चर्चा शुरू करने की अपील की लेकिन लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध बना रहा क्योंकि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अड़े हुए हैं। संसद के मानसून सत्र में मणिपुर हिंसा की गूंज है। पहले दिन से ही विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने और चर्चा कराने की मांग कर रहा है। राज्यसभा में सरकार नियम 176 के तहत चर्चा को तैयार हो गई है लेकिन विपक्ष इस मुद्दे पर पहले प्रधानमंत्री का बयान और फिर नियम 267 के तहत चर्चा की मांग पर अड़ा है। लोकसभा में भी इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध कायम है।

गृह मंत्री ने संसद में झूठी बात की, प्रधानमंत्री को मणिपुर पर बयान देने में क्या झिझक है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह पर संसद में मणिपुर हिंसा के विषय पर 'झूठ बोलने और देश को गुमराह करने' का आरोप लगाया और कहा कि दोनों सदनों में जारी गतिरोध का कारण यह है कि सरकार विपक्ष की मांग स्वीकार नहीं कर रही है। मुख्य विपक्षी दल ने यह सवाल भी किया कि आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर के संदर्भ में संसद के भीतर बयान क्यों नहीं दे रहे हैं, उन्हें क्या झिझक है?

कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के अन्य घटक दल मानसून सत्र के पहले दिन से ही मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद में वक्तव्य देने और चर्चा की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र के पहले तीन दिन दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई।

मणिपुर के मुद्दे पर संसद में जारी गतिरोध के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा को तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री सदन में आएं और बयान दें। इस बयान पर हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं। वह संसद के बाहर बात कर रहे हैं, लेकिन सदन में बयान नहीं दे रहे हैं। यह संसद का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद का सत्र चल रहा है, मामला गंभीर है और ऐसे में प्रधानमंत्री को सदन में बयान देना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, मानसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं हो सकी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सरकार 'इंडिया' के दलों की मणिपुर में तीन मई के बाद की स्थिति पर प्रधानमंत्री के विस्तृत बयान की मांग नहीं मान रही है। 'इंडिया' की स्पष्ट मांग है कि पहले प्रधानमंत्री सदन में बयान दें, उसके बाद इसपर चर्चा हो। इंडिया की सभी पार्टियां सिर्फ मणिपुर ही नहीं, वास्तव में पूरे देश के लोगों की भावनाओं को सामने रख रही हैं।

मणिपुर: वायरल वीडियो के मामले में पुलिसकर्मियों ने 14 और लोगों की पहचान की

इंफाल/भाषा। मणिपुर पुलिस ने दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न संबंधी वीडियो के मामले में 14 और लोगों की पहचान की है और उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस चार मई को कांगपोकपी जिले में हुई इस घटना के वायरल हुए वीडियो के संबंध में छह लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने बताया कि उसने 14 अन्य लोगों की पहचान की है और उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन दोनों महिलाओं का कथित रूप से यौन उत्पीड़न किया गया था।

वीडियो में नजर आ रही महिलाओं में से एक महिला असम रेजीमेंट में सूबेदार के तौर पर सेवाएं दे चुके और करगिल युद्ध लड़ चुके सेना के एक पूर्व जवान की पत्नी है। इस घटना के संबंध में कांगपोकपी जिले के सैकुल पुलिस थाने में 21 जून को शिकायत दर्ज कराई गई थी। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

संसद में गतिरोध को लेकर सिंह ने खरगे से फोन पर बात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्रीजी की निश्रा में खरतरगच्छ स्थापना दिवस मनाया गया।

साध्वीश्री ने कहा कि 11वीं शताब्दी में यती परंपरा चल रही थी, सुविधावाद का उनका जीवन था । आचार्य श्री जिनेश्वरसूरी ने यती सूराचार्य से पाटन के राज दरबार में दुर्लभ राजा के समक्ष दशवैकालिक आगम के आधार पर शास्त्रार्थ किया और उसमे विजयी हुए, तब राजा ने उन्हें खरतर पद दिया,उस समय खरतर गच्छ की स्थापना हुई।

इस गच्छ में अनेक प्रभावशाली आचार्य हुए। जिनचन्द्र सूरीश्वरजी ने 18000 श्लोक प्रमाण ग्रंथ की रचना की। साध्वीश्री ने खरतरगच्छ के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर पर्यटक बस में आग, कोई हताहत नहीं

आगरा/भाषा। जनपद के थाना एत्मादपुर के अंतर्गत कुबेरपुर के निकट यमुना एक्सप्रेस-वे पर सोमवार सुबह एक पर्यटक बस में आग लग गई। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

थाना एत्मादपुर प्रभारी विजय विक्रम सिंह ने बताया कि दिल्ली से 45 सवारियों को लेकर बिहार जा रही एक निजी बस में सुबह करीब नौ बजे आग लग गई। बताया जा रहा है कि इंजन का प्रेशर पाइप फटने से आग लगी।

सिंह ने बताया कि आग लगने की जानकारी मिलते ही सवारियों को आनन-फानन में बस से उतारा गया। उन्होंने बताया कि बस में सवारियों का सामान जल गया। आग की सूचना पर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया और इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि सवारियों को दूसरी बस से गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय टेंट पेगिंग टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय घुड़सवारी टीम ने मास्को में आयोजित अंतरराष्ट्रीय 'टेंट पेगिंग' टूर्नामेंट में ऑवरऑल स्वर्ण पदक हासिल किया।

'टेंट पेगिंग' घुड़सवारी का मान्यता प्राप्त 10 खेलों में से एक है। इसमें घुड़सवार का उद्देश्य भाले या तलवार की मदद से मैदान पर रखे सामान (रिंग, नींबू या अन्य सामान) को भेद कर लक्ष्य की ओर ले जाना होता है।

चार सदस्यीय भारतीय टीम ने पारंपरिक पोशाक में आयोजित इस टूर्नामेंट में चार स्वर्ण, इतने ही रजत और तीन कांस्य पदक हासिल किए।

आठ देशों की इस टूर्नामेंट का आयोजन अंतरराष्ट्रीय टेंट पेगिंग महासंघ ने किया था और इसका आयोजन 21 से 23 जुलाई तक हुआ था।

भारत के लिए मोहित कुमार और दिनेश गंगाराम कार्लेकर ने 'इंडल लांस, रिंग एंड पेग्स' और 'लेमन एंड पेग्स' स्पर्धा के ज्यादातर पदक जीते। टूर्नामेंट में भारत के अलावा रूस, ईरान, बेलारूस, कुवैत, कतर, कजाकिस्तान और सीरिया ने भी भाग लिया था।

हाई परफोर्मेंस कोच के पद के लिए अनदेखी से ओलंपिक पदक विजेता विजय कुमार स्तब्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक रजत पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज विजय कुमार 'स्तब्ध' हैं कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने हाई परफोर्मेंस कोच के पद के लिए उनके नाम की अनदेखी की और उन्हें इस बारे में सूचित करने की जरूरत भी नहीं समझी गई। साइ ने 21 जुलाई को अधिसूचना जारी करके एथलेटिक्स, निशानेबाजी, तलवारबाजी, कबड्डी और तीरंदाजी में पांच हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति की।

साइ ने फरवरी-मार्च में इस पद के लिए विज्ञापन दिया था और 2012 लंदन ओलंपिक खेलों के रजत पदक विजेता तथा पांच बार के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विजय ने पद के लिए आवेदन किया था। साइ ने इस पद के लिए राइफल कोच मनोज कुमार के नाम की सिफारिश की है जो पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में ट्रेनिंग कर रही भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस में उपाधीक्षक विजय ने कहा, मैंने पद (परफोर्मेंस कोच) के लिए आवेदन किया था। इस तरह की अटकलें थी कि साक्षात्कार हुए हैं (पद के लिए)। आज किसी ने फोन पर बताया कि सूची जारी हो गई है। जब मैंने सूची देखी (साइ की वेबसाइट पर) तो मैं हैरान और स्तब्ध था। उन्होंने कहा, उनकी (साइ की) पात्रता में मैं पूरी तरह फिट था। इसमें कहा गया था कि अगर आप ओलंपिक पदक विजेता हैं तो आपको सीधे नियुक्ति मिलेगी। जहां तक मुझे पता है, मेरे अलावा किसी अन्य ओलंपिक पदक विजेता ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर पद के लिए आवेदन नहीं किया था।

विजय ने कहा, पहले हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर होती थी लेकिन हाल में साइ ने अन्य संस्थानों से विशेषज्ञों के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर जुड़ने और अपनी सेवाएं देने का रास्ता खोला है। इसलिए इस आधार पर मैंने पद के लिए आवेदन किया था।

रवि शंकर को भारतीय तीरंदाजी का हाई परफोरमेन्स कोच नियुक्त किया गया

कोलकाता/भाषा। भारत और सेना के पूर्व तीरंदाजी कोच रविशंकर को पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए हाई परफोरमेन्स कोच (एचपीसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। वह इससे पहले कोलकाता स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के पूर्वी केंद्र से जुड़े हुए थे। भारतीय हाई परफोरमेन्स निदेशक संजीवा सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से बताया, उनकी भूमिका कोचिंग में खेल विज्ञान के साथ-साथ डेटा विश्लेषण और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सुधारात्मक कार्यों का ध्यान रखना होगा।

मुंबई सिटी एफसी ने बेंगलूरु एफसी के जयेश राणे को उधार लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मुंबई सिटी एफसी ने सोमवार को बेंगलूरु एफसी के मिडफील्डर जयेश राणे को 2023-24 सत्र के अंत तक उधार (लोन) पर लेने की घोषणा की। तीस साल के जयेश के साथ बेंगलूरु एफसी ने 2021-22 सत्र से पहले करार किया था। मिडफील्ड में अपनी काबिलियत के साबित कर चुके जयेश आईएसएल के अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल है। उन्हें 103 मैचों का अनुभव है। इस करार के बाद वह अपने गृहनगर मुंबई में वापसी कर रहे हैं।

मुंबई सिटी के मुख्य कोच डेस बकिंघम ने यहां जारी विज्ञपति में कहा, हमें जयेश को टीम में शामिल करने की बहुत खुशी हो रही है। वह अनुभवी खिलाड़ी है और उसने इस लीग में सफलता हासिल की है। उसे इस बात की गहरी समझ है कि मुंबई सिटी का क्या मतलब है और हम किस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। ज्येश ने कहा, यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने घर (शहर) और अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। मैं बेंगलूरु एफसी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं यहां मुंबई सिटी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।

सुविचार

मिली थी जिंदगी किसी के काम आने के लिए, पर वक़्त बीत रहा है, कागज़ के टुकड़े कमाने के लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वही पुराना राग

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति के संबंध में जो दुष्प्रचार किया था, उसकी पोल खुलती जा रही है। उसने जिस कथित आजादी का नारा देकर आतंकवाद और अलगाववाद को परवान चढ़ाया, अब उससे लोगों का मोहभंग होने लगा है। पाक ने पीओके की जिस कथित संसद में अलगाववादी यासीन मलिक की 11 वर्षीया बेटी से बयान दिलवाए हैं, उससे स्पष्ट है कि अब उसके दावे हवा-हवाई हो चुके हैं। निस्संदेह भारतीय सुरक्षा बलों, एजेंसियों और जम्मू-कश्मीर के निवासियों ने अपने यहां शांति बहाली के लिए बड़े बलिदान दिए हैं। इसका नतीजा है कि आज पाकिस्तान को इस मुद्दे को ज़िंदा रखने के लिए बच्चों का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्हें कोई कुछ भी लिखकर दे दे, वे वही पढ़ देंगे। पाक की मासूम बच्चों को आगे कर आतंकवाद का खेल खेलने की पुरानी आदत है। पहले जब कश्मीर में पत्थरबाजी होती थी तो बच्चों को इसीलिए आगे किया जाता था, ताकि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बाधा आए। यह सब पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के आकाओं के इशारे पर होता था। जब सुरक्षा बल किसी अभियान के तहत आतंकवादियों पर गोलीबारी करते तो स्थानीय अलगाववादी सक्रिय हो जाते तथा बच्चों को आगे कर देते थे। अब वे बातें बीत गईं। अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जा रहा है। अलगाववादियों की हिम्मत पस्त हो गई है। आम कश्मीरी सुकून में है। बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। लोग अपने कामकाज में व्यस्त हैं। जम्मू-कश्मीर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। निवेश हो रहा है। स्थानीय लोगों की आमदनी बढ़ रही है। सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जरूरत की चीजों की कोई किल्लत नहीं है।

उधर, पाकिस्तान में हाहाकार मचा है। पिछले दिनों वहां से ऐसे कई वीडियो आए थे, जिनमें लोग आटा लेने के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े नजर आए थे। कई जगह भगदड़ मची, छीना-झपटी, मारपीट हुई। दर्जनों लोगों की मौत हो गई। पीओके में तो हालात और भी बदतर हैं। वहां मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। अब तो पीओके के लोग यूट्यूब पर खुलकर कह रहे हैं कि उन्होंने वहां रहकर जीवन की सबसे बड़ी भूल कर दी। पाकिस्तान की सेना और सरकार अपने-अपने तरीकों से उन्हें निचोड़ रही हैं। इन दिनों पीओके में सबसे ज्यादा चर्चा दैनिक जीवन में काम आने वाली चीजों की कीमतों को लेकर हो रही है। वहां आटा, चावल, चीनी, घी, तेल, दालें ... सब चीजें बहुत ज्यादा महंगी हो चुकी हैं। जब उन लोगों को पता चलता है कि ये ही चीजें जम्मू-कश्मीर में तुलनात्मक रूप से बहुत कम कीमत में उपलब्ध हैं और कहीं कोई किल्लत नहीं है, तो वे अपनी किस्मत को कोसते हैं। पीओके में जिन लोगों ने नब्बे का दशक देखा है, वे यह स्वीकार करने लगे हैं कि पाकिस्तान ने कारगिल युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी बची-खुची साख भी गंवा दी थी। हाल के वर्षों में भारत सरकार के सख्त रुख के बाद अब पाक को पहले की तरह समर्थन नहीं मिल रहा है। वह गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बड़ी मुश्किल से आईएमएफ थोड़ी मदद कर देता है। उससे रावलपिंडी के जनरलों के खर्चे पूरे नहीं हो रहे। उनका हिस्सा निकालने के बाद सत्तारूढ़ दल के नेता अपना हिस्सा लेते हैं। उसके बाद जो रकम बचती है, उसका बड़ा हिस्सा (पाकिस्तानी) पंजाब जाता है। आतंकवादी संगठनों के लिए भी एक हिस्सा रखना होता है। फिर बाकी राज्यों को कुछ दे दिया जाता है। इन सब 'खर्चों' को निकालने के बाद पीओके की जनता के हिस्से में चवन्नी-अठन्नी ही आती हैं। ऐसे में पाक को पीओके में बगावत होने का डर सता रहा है। लिहाजा वह ओछे हथकंडे अपनाकर वही पुराना राग अलापने की कोशिश कर रहा है, जिसे अब सुनने को कोई तैयार नहीं है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान में पिछले साढ़े 4 साल में लचर कानून-व्यवस्था के कारण हर दिन महिला अत्याचार, दलित अत्याचार हो रहे हैं। छोटी बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है। पिछले 3 वर्षों में दुष्कर्म के मामले में देश में नंबर वन पर राजस्थान पहुंच गया है।

-सीपी जोशी

इस लाल डायरी का रहस्य क्या है, ये आज राजस्थान का हर व्यक्ति जानना चाहता है। जिस तरह विधानसभा में राजेन्द्र गुढ़ा से लाल डायरी छीनने की कोशिश की गई, उससे साफ है कि दाल में कुछ ना कुछ काला जरूर है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सोनिया गांधी जी ने लोकसभा में कहा कि मुझे मणिपुर की महिलाओं की चिंता है। मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि क्या उन्हें उस राजस्थान की महिलाओं की चिंता नहीं है। यहां उनकी सरकार की सरपरस्ती में हर रोज करीब 20 महिलाओं की इज्जत तार-तार की जाती है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

सात्विक जीविका

पं. श्रद्धाराम फिल्लौरी संस्कृत, हिंदी व उर्दू के विख्यात विद्वान थे। वे अपने प्रवचनों से लाखों लोगों को धार्मिक प्रसंगों की गंगा में स्नान कराते थे। एक दिन कथा समाप्त हुई तो आचार्य पंडित ने चढ़ावा समेटा। उसी समय एक सेठ ने कह दिया, 'यह चढ़ावा भी तो गलत कमाई का है। उसने और उसके जैसे धनिकों ने दिया है। आप बटोरकर क्यों ले जाएंगे। सही कमाई धर्म में लगनी चाहिए।' सनातनी कथावाचक ने सारा चढ़ावा तुरंत गरीबों में बांट दिया। विद्वान ने इसके बाद सुपात्रों के ही धन से घर खर्च चलाया। जीविका को सात्विक बनाने के प्रयास में उन्होंने घोर निर्धनता का सामना किया। पत्नी और बच्चों को सांत्वना देते रहने में उन्होंने कठिनाइयां झेलकर पंजाबी, उर्दू, संस्कृत, हिंदी में कविताएं लिखीं तथा पुस्तकें छपवाईं। उनका पहला भजन आरती 'ॐ जय जगदीश हरे' है। लेखक, विद्वान और पंडित होने के साथ फिल्लौरी सनातन धर्म के प्रति पूर्ण निष्ठावान रहे।

सामयिक

मणिपुर की स्तब्ध करने वाली तस्वीरों के पीछे?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 99110 27208

मणिपुर से महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने, उन्हें अपमानित करने के वीडियो ने संपूर्ण देश को स्तब्ध किया है। हिंसा किसी प्रकार की हो, महिलाओं को पज्यादा त्रासदी झेलनी पड़ती है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि वीडियो में जो लोग भी जघन्य अपराध करते दिख रहे हैं उनको उपयुक्त सजा मिलेगी। बावजूद इस घटना की चर्चा करते समय हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मणिपुर में कई तरह की हिंसा जारी थी। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का यह वक्तव्य वायरल है कि आपको एक घटना की चिंता है न जाने कितनी घटनाएं ऐसी हुई है। यही सच है। यह घटना कूकी महिलाओं से संबंधित है। हमें पता है कि मैतेयी समुदाय की कितनी महिलाओं के साथ क्या-क्या हुआ होगा? जितनी संख्या में घर बार छोड़कर लोगों को विस्थापित होना पड़ा उसमें यह कल्पना आसानी से की जा सकती है अनेक महिलाओं के साथ भयानक दुर्व्यवहार हुए होंगे। जब तक हिंसा के पीछे के सच को और जिस तरह वो घटी उस तरह नहीं देखा जाएगा तो इसका निदान ढूंढना मुश्किल होगा। यह वीडियो मैतेई और कुकी समुदायों के बीच झड़प के एक दिन बाद यानी 4 मई की है। विचार करने की बात है कि यह वीडियो अब क्यों जारी हुआ?

इंडिजेनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने स्वय द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन और संसद सत्र आरंभ होने के एक दिन पूर्व वीडियो जारी किया। जाहिर है, समय का ध्यान रख यह वीडियो जारी हुआ। इससे देश और दुनिया भर में यह संदेश देने की कोशिश हुई कि मैतेयी हिन्दू उत्पीड़क हैं और पीड़ित समुदाय केवल कूकी हैं, जिनमें ज्यादातर ईसाई हैं। यह सच नहीं है कि पुलिस ने पहले इसका संज्ञान नहीं लिया था। 4 मई को घटना हुई थी और मामले में 18 मई को कांगपोकपी जिले में जीरो एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद मामला संबंधित पुलिस स्टेशन को भेज दिया गया। जब भी कहीं जातीय, नस्ली, सांप्रदायिक अलगाववादी हिंसा होती है तो सुरक्षाबलों व प्रशासन की पहली भूमिका उसे शांत करने की रहती है। आप इंडीजीनस ट्राइबल फोरम के विरोध प्रदर्शन को देखिए तो सभी काला ड्रेस पहने हुए हैं। इतनी संख्या में काला ड्रेस मुफ्त नहीं मिल सकता। साफ है कि विरोध के पीछे ऐसी शक्तियां हैं जो कुछ अलग उद्देश्य पाना चाहती हैं। वस्तुतः मणिपुर की हिंसा का यह ऐसा पहलू है जिसको समझने की कोशिश करनी होगी। अभी तक के आंकड़ों के अनुसार मणिपुर में कुल 6000 हिंसा की घटनाएं हुईं, 5000 से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है, 6700 से ज्यादा लोग गिरफ्तार हैं,70 हजार के आसपास विस्थापित हैं, 10 हजार ने मणिपुर छोड़ दिया तथा 160 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। अनेक मारे गए लोगों के शव मोर्चुअरी में पड़े हैं जिन्हें ले जाने वाला कोई नहीं। उन हालातों में न जाने कितने भयावह और जघन्य अपराध हुए होंगे इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। उसमें एक वीडियो समय का ध्यान रखते हुए जारी करने का उद्देश्य क्या हो सकता है? आने वाले समय में ऐसी और घटनाओं के भी विवरण आएंगे जो हमें आपको बार-बार अंदर से हिला सकते हैं। 4 जून को ही भीड़ ने एक एंबुलेंस को रास्ते में रोक उसमें आग लगा दी। एंबुलेंस में सवार 8 साल के बच्चे, उसकी मां और एक अन्य रिश्तेदार की मौत हो गई। मृतका मां मैतेई समुदाय से आती थीं और उनकी शादी एक कुकी से हुई थी। इस तरह की हिंसा को किस श्रेणी में रखेंगे?

वीडियो जारी करने वाले विश्व भर को संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि मैतेयी हिंदुओं ने कूकी ईसाइयों के साथ इसी तरह की बर्बरता की। साफ है कि वह केंद्र एवं प्रदेश दोनों सरकारों को विश्व भर में अल्पसंख्यकों का खलनायक तो साबित कर ही रहे हैं ऐसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं ताकि वहां हिंसा कायम रहे और वे अपना लक्ष्य पा सके।

इस संघर्ष को हिंदू बनाम ईसाई संघर्ष कहना गलत होगा। ईसाई संघर्ष होता तो इसमें नगा भी शामिल होते। हां, अलगाववाद और हिंसा के पीछे चर्च अवश्य मुख्य प्रेरक कारक है। पूर्वोत्तर में अलगाववाद एवं हिंसक आंदोलनों के पीछे चर्च की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आज भी है। मणिपुर में कूकियों का एक बड़ा समूह म्यान्मार से आया। इन्हें चिन कूकी कहा जाता है। इनके अनेक हथियारबंद समूह खड़े हैं। इनका लक्ष्य बांग्लादेश, म्यानमार और मणिपुर के हिस्से को मिलाकर एक स्वतंत्र देश बनाना है। मैतेयी मणिपुर तक सीमित है लेकिन कुकी पूरे पूर्वोत्तर में फैले हैं जिनमें गैर ईसाई अब बहुत कम होंगे। 2008 में लगभग सभी कुकी विद्रोही संगठनों के साथ केंद्र सरकार ने सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन या एसओएस समझौता किया जिसका उद्देश्य इनके विरुद्ध सैन्य कार्रवाई रोकना था। कई संगठनों ने वादा नहीं निभाया। अंततः इस वर्ष 10 मार्च को मणिपुर सरकार ने दो संगठनों के साथ समझौता रद्द कर दिया। ये संगठन हैं जोमी रेवुलुशनरी आर्मी यानी जेडआरए और कुकी नेशनल आर्मी यानी केएनए। बीरेन सिंह सरकार ने इनके विरुद्ध कार्रवाई शुरू की। एरियल सर्वे कराकर अफीम की खेती को नष्ट करना आरंभ हुआ। मादक औषधियों के व्यापार के लिए कुख्यात म्यानमार, थाईलैंड, बैंकॉक का गोल्डन ट्रायंगल इससे जुड़ा है। दूसरे, जंगलों की भूमि पर इनके अवैध कब्जे को भी मुक्त कराने का अभियान चला। मणिपुर का लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र पहाड़ी तथा 10 प्रतिशत मैदानी हैं। मैतेयी मणिपुर की लगभग 53 -54 प्रतिशत आबादी है, जो हिंदू हैं, लेकिन 10प्रतिशत मैदानी क्षेत्रों यानी इंफाल घाटी में रहते हैं। पहाड़ी इलाकों के 33 मान्य जनजातियों में मुख्यतः नंगा और कुकी हैं जिनमें ज्यादातर का ईसाई धर्म में धर्मांतरण हो चुका है। मैतेयी समुदाय 1949 तक आदिवासी माना जाता था। इन्हें सामान्य जाति बना दिया गया। ये सारी सुविधाओं और विशेष अधिकारों से वंचित हो गए। दूसरी ओर पहाड़ी जनजातियों को संविधान से विशेषाधिकार मिले हैं। भूमि सुधार कानून के अनुसार कुकी और नगा तथा अन्य जनजातियां मैदानी क्षेत्र में जमीन खरीद सकते हैं लेकिन मैतेयी पहाड़ी क्षेत्र में नहीं खरीद सकते। कूकी और नगा धीरे-धीरे मैदानी इलाकों की जमीन खरीद कर इसमें बस रहे हैं,चर्चों की संख्या बढ़ रही है। परिस्थितियों में मैतेयी समुदाय के भी कुछ लोग ईसाई धर्म कर ग्रहण कर चर्च में जाने लगे हैं। इससे वहां सामाजिक तनाव बढ़ता गया है। वैसे मणिपुर में कूकियों के साथ अन्याय का आरोप लगाने वाले नहीं बताते कि राजनीति में अवश्य मैतेयी समुदाय का वर्चस्व है लेकिन पुलिस और प्रशासन मुख्यतः कूकियों के हाथ में है। घटना के दौरान पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस उप महानिदेशक दोनों कूकी थे। प्रदेश में 21भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी कूकी हैं। सरकार द्वारा संरक्षित जंगलों और वन अभयारण्य में गैरकानूनी कब्जा करके अफीम की खेती करने के विरुद्ध अभियान जैसे-जैसे बढ़ा अलगाववादी समूहों ने कूकियों को भड़काया कि भाजपा केवल हिंदुओं के हितों के लिए काम कर रही है और तुम्हारी पुश्तैनी जमीन से तुम्हें हटा रहे है। 3 मई को कूकियों की रैली थी और इसी दौरान कांगपोकपी नाम की जगह पर पुलिस से उनका टकराव हुआ। महिलाओं को नग्न कर भीड़ द्वारा उत्पीड़न करने का वीडियो वहीं के पास का है। टकराव में पांच प्रदर्शनकारियों के साथ पांच पुलिसवाले भी घायल हुए थे। कल्पना की जा सकती थी कि वहां क्या स्थिति रही होगी।

बंद और विरोध प्रदर्शन चुराचंदपुर में हुआ जहां मुख्यतः कूकी और नागा आबादी है लेकिन हिंसा की घटनाएं इंफाल घाटी में हुई। 27-28 अप्रैल तक हिंसा कूकी और पुलिस के बीच थी। इसके बाद यह मैतेयी और कूकी टकराव में बदला। 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ने यह आरोप लगाते हुए एकता मार्च' निकाला कि सरकार मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने जा रही है। उसके साथ हिंसा शुरू हो गई।

महिलाओं का वीडियो ठीक इसके अगले दिन का है। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए यह अवश्य ध्यान रखिए कि कूकी महिलाएं संघर्ष के अग्रिम मोर्चे पर रखी जाती हैं। इंडियन आर्मी गो बैक की तख्तियां लेकर आंदोलन के अग्रिम पंक्तियों में चलती महिलाओं की तस्वीरें वहां आम हैं। ऐसे मामलों में कानून निष्पक्षता से कार्रवाई करें यह हम सब चाहेंगे। किंतु जितनी बड़ी खाई हो गई है उसको पाटने के लिए कई स्तरों पर लंबे समय तक काम करने की आवश्यकता है। ऐसे संवेदनशील मामले में अत्यंत सधे हुए तरीके से प्रतिक्रियाएं व्यक्त करने एवं कदम उठाने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से हमारी राजनीति क्षण भर के लिए भी ठहर कर इस दिशा में सोचने को तैयार नहीं है।

मुद्दा

दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस के मार्ग में कांटे ही कांटे

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

आम आदमी पार्टी ने मोदी विरोध की खातिर विपक्षी गठबंधन इंडिया का दामन जरूर थाम लिया है मगर 2024 के लोकसभा चुनावों में विशेषकर दिल्ली और पंजाब में उसे लोहे के चन्ने चबाने होंगे। दिल्ली में इस समय केंद्र और राज्य में अधिकारों की लड़ाई चल रही है। कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं है। आम आदमी पार्टी ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्य मंत्री अरविन्द केजरीवाल ने इस मुद्दे पर कांग्रेस का समर्थन पाकर ही इंडिया नाम के गठबंधन में शामिल होने का फैसला किया है। हालाँकि पंजाब और दिल्ली प्रदेश के कांग्रेसी नेता इसके सख्त खिलाफ है। मगर कांग्रेस आलाकमान ने अपने नेताओं के विरोध के बावजूद केजरीवाल का समर्थन करने का निर्णय लिया। मगर असली अग्नि परीक्षा लोकसभा चुनावों में होंगी जब सीटों के बंटवारे की बात चलेगी। दिल्ली की सातों सीटें इस समय भाजपा के पास है। पिछले चुनावों में आधी सीटों पर कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही थी और कांग्रेस इन सीटों को किसी भी हालत में छोड़ने को तैयार नहीं होंगी।

एनडीए के खिलाफ विपक्षी महागठबंधन इंडिया को लेकर पंजाब में घमासान मच गया है। कांग्रेस ने इंडिया को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। लेकिन अब पंजाब कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि आम आदमी पार्टी के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं हो सकता। पंजाब में लोकसभा की 13 सीटें है जिनमें से इस समय कांग्रेस के पास 8, भाजपा और अकाली दल के पास दो दो और आम आदमी पार्टी के पास एक सीट है। पंजाब में इस समय आम आदमी पार्टी सत्तारूढ़ है। यह पार्टी कभी नहीं चाहेगी की कांग्रेस को पिछली जीती हुई आठों सीटें उपहार में दे दी जाये। यहीं जाकर गठबंधन धर्म का पेच फंसेगा। पंजाब में इस समय कांग्रेस की बुरी हालत है उसके सभी प्रमुख नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए है। पंजाब के कांग्रेसी नेता आम आदमी पार्टी के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं करना चाहते है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जिस पार्टी की सरकार ने उनके पूर्व उप मुख्यमंत्री सहित पांच पूर्व मंत्रियों को जेल में डाले हो, उसके साथ गठबंधन कैसा। सुनील जाखड़ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाकर प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाले हुए है। पंजाब में चौतरफा मुकाबले से इंकार नहीं किया जा सकता। यदि आप और कांग्रेस में समझौता हो जाता है तो भी वर्तमान हालातों में त्रिकोण संघर्ष होगा। अकालियों का बसपा से समझौता है। यदि अकाली दल एनडीए में शामिल हो जाते है तो इंडिया गठबंधन से सीधा संघर्ष होने की सम्भावना है।

गौरतलब है अन्ना आंदोलन के दौरान आम आदमी पार्टी का गठन कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन से हुआ है। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य नेता प्रारम्भ से ही कांग्रेस आलाकमान पर हमलावर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब से कांग्रेस को बाहर का रास्ता दिखाया है। गुजरात और गोवा में भी आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव लड़ा था जहां कांग्रेस को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। आश्चर्य इस बात का है कि जिस पार्टी ने कांग्रेस को नुक्सान पहुंचाया आज कांग्रेस उसी पार्टी के साथ गठबंधन को तैयार हो गई है।

मुद्दा

क्यों जरूरी है बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा देना?

आर.के. सिन्हा

अभी कुछ दिन पहले ही केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसआई) ने एक बेहद जरूरी फैसला लिया। इसके तहत अब सीबीएसई स्कूलों को प्री-प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक क्षेत्रीय व मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने का विकल्प देगी। अब तक, राज्य बोर्ड स्कूलों के विपरीत, सीबीएसई स्कूलों में केवल अंग्रेजी और हिंदी माध्यम ही शिक्षा प्राप्त करने का विकल्प था। सीबीएसई ने अपने सभी संबंधित स्कूलों से कहा है कि जहाँ तक संभव हो सके यथाशीघ्र तो पांचवीं कक्षा तक क्षेत्रीय भाषा में या फिर बच्चे की मातृभाषा में पढ़ाई के विकल्प उपलब्ध करायें। बेशक, यह एक युगांतकारी फैसला है। हरेक बच्चे के पास यह विकल्प होना ही चाहिए कि वह अपनी मातृभाषा में स्कूली शिक्षा ग्रहण कर सके। हां, उसे विषय के रूप में कोई एक भाषा या एकाधिक भाषाएं पढ़ाई जा सकती हैं।

भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने भी अपनी स्कूली शिक्षा क्रमश: अपनी मातृभाषाओं हिन्दी और मराठी में ही ली थी। ये दोनों आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल करने में सफल रहे। इन दोनों से बड़ा ज्ञानी कौन होगा। यानी आप प्राइमरी तक अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने के बाद बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। टाटा समूह के चेयरमेन नटराजन चंद्रशेखरन ने भी अपनी स्कूली शिक्षा अपनी मातृभाषा तमिल में ही ली थी। उन्होंने स्कूल के बाद इंजीनियरिंग की डिग्री रीजनल इंजीनयरिंग कालेज (आरईसी), त्रिचि से हासिल। यह जानकारी अपने आप में महत्वपूर्ण इस दृष्टि से है कि तमिल भाषा से स्कूली शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी ने आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल किया और करियर के शिखर को छुआ।

बेशक, भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने की अंधी दौड़ के चलते अधिकतर बच्चे असली शिक्षा को पाने के आनंद से वंचित रह जाते हैं। असली शिक्षा का आनंद तो आप तब ही पा सकते हैं,जब आपने कम से कम पांचवीं तक की शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हासिल की हो। विभिन्न अध्ययनों से प्रमाणित हो चुका है कि जो बच्चे मातृभाषा में स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे अधिक सीखते हैं। अंग्रेजी का विरोध नहीं है या अंग्रेजी शिक्षा या अध्ययन को लेकर कोई आपत्ति भी नहीं है। पर भारत को अपनी भाषाएं, चाहे हिन्दी, तमिल, बांग्ला या कोई अन्य, में प्राइमरी स्कूली शिक्षा देने के संबंध में तो बहुत पहले ही फैसला ले लेना चाहिए था। क्योंकि उसके बिना बच्चों को सही शिक्षा तो नहीं दी जा सकती। हां, शिक्षा के नाम पर प्रमाणपत्र जरूर बांटे जा सकते हैं। याद रखे कि शिक्षा का अर्थ है ज्ञान। बच्चे को ज्ञान कहां मिला? हम तो उन्हें नौकरी पाने के लिए तैयार कर रहे हैं। अभी हमारे यहां पर दुर्भाग्यवश स्कूली या कॉलेज शिक्षा का अर्थ नौकरी पाने से अधिक कुछ भी नहीं है। आजादी के बाद हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के उत्थान का जो सपना देखा गया था वह सपना दस्तावेजों और सरकारी कार्यक्रमों मेंही दबकर रह गया था।

हम सब जानते हैं कि सारे देश में अंग्रेजी के माध्यम से स्कूली शिक्षा लेने- देने की महामारी ने अखिल भारतीय स्वरूप ले लिया है। जम्मू-कश्मीर तथा नगालैंड ने अपने सभी स्कूलों में शिक्षा का एकमात्र माध्यम अंग्रेजी ही कर दिया है। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु समेत कुछ और अन्य राज्यों में छात्रों को विकल्प दिए जा रहे हैं कि वे चाहें तो अपनी पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी रख सकते हैं। यानी बच्चों को उनकी मातृभाषा से दूर करने की भरपूर कोशिशें हुईं।

विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा देना मनोवैज्ञानिक और व्यवहारिक रूप से वांछनीय है, क्योंकि, विद्यालय आने पर बच्चे यदि अपनी भाषा में पढ़ते हैं, तो वे विद्यालय में आत्मीयता का अनुभव करने लगते हैं और यदि उन्हें सब कुछ उन्हीं की भाषा में पढ़ाया जाता है, तो उनके लिए सारी चीजों को समझना बेहद आसान हो जाता है। समूचे संसार के भाषा-वैज्ञानिकों, अध्यापकों और शिक्षा से जुड़े अन्य जानकारों की राय है कि बच्चा सबसे आराम से अपनी भाषा में पढ़ाए जाने पर ही शिक्षा ग्रहण करता है। जैसे ही उसे किसी अन्य भाषा में पढाया जाने लगता है, तब ही गड़बड़ चालू हो जाती है। पर हमारे देश में तो यही होता चला आ रहा है। कई अध्ययनों से साबित हो चुका है कि जो बच्चे अपनी मातृभाषा में प्राइमरी से पढ़ना चालू करते हैं उनके लिए शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाएं अधिक प्रबल रहती हैं। यानी बच्चे जिस भाषा को घर में अपने अभिभावकों,भाई-बहनों, मित्रों के साथ बोलते हैं, उसमें पढ़ने में उन्हें अधिक सुविधा रहती है। अफसोस कि हमारे देश के एक बड़े वर्ग ने मान लिया है कि अंग्रेजी जाने-समझे बिना गति नहीं है। इसके चलते हर स्तर पर इसे बढ़ावा देने की मानसिकता नजर आती है। एक तरह से यह सोच घर कर गई है कि अंग्रेजी जाने बिना दुनिया अधूरी-अधकचरी है। बेशक, इसी मानसिकता के चलते हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा अपनी आय का एक बड़ा भाग अपने बच्चों को कथित अंग्रेजी स्कूलों में भेजने पर खर्च करने लगा है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में भारत के 25 फीसद स्कूली बच्चे उन स्कूलों में पढ़ाई शुरू करने लगे हैं, जहां पर मातृभाषा की बजाय शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इन बच्चों को शिक्षा का आनंद आ ही नहीं सकता। और इनमें से अनेक अंग्रेजी की अनिवार्यता का चलते स्कूलों को छोड़ देते हैं। खैर, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसआई) के ताजा फैसले से एक उम्मीद अवश्य जागी है कि चलो हमने भी भारत की अपनी भाषाओं को सम्मान देना भले ही देर से चालू तो किया।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कनाडा में भारतीय छात्र की हिंसक हमले के बाद मौत

टोरंटो/भाषा

कनाडा में खाना पहुंचाने वाली कंपनी के कर्मचारी के रूप में काम करने वाले एक 24 वर्षीय भारतीय छात्र की हिंसक हमले के कुछ दिन बाद मौत हो गयी। हमलावर भारतीय छात्र से कार छीनने की कोशिश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है।

सीटीवी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, गुरविंदर नाथ 9 जुलाई को देर रात 2 बजकर करीब 10 मिनट पर मिसिसॉगा के ब्रिटानिया और क्रेडिटव्यू रोड पर पिज्जा पहुंचा रहा था। तभी कुछ अज्ञात संदिग्धों ने उससे झगड़ा किया और उसका वाहन चुराने की कोशिश की। पील रीजनल पुलिस के होमीसाइड ब्यूरो के निरीक्षक फिल किंग ने कहा,'जांचकर्ताओं का मानना है कि इसमें कई संदिग्ध शामिल हैं और पीड़ित को इस क्षेत्र में बुलाने के लिए खाना मंगवाया था।' उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं ने हमले से पहले मंगाए गए पिज्जा आर्डर की ऑडियो रिकॉर्डिंग प्राप्त कर ली है।

पुलिस ने बताया कि नाथ के आने के बाद हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल अवस्था में छोड़कर वे वाहन लेकर फरार हो गए।

घटनास्थल पर कई लोग सहायता के लिए आगे आए और मदद की गुहार लगायी। नाथ को ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां उसे 14 जुलाई को मृत घोषित कर दिया गया।

कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूत सिद्धार्थ नाथ ने कहा कि गुरविंदर की मृत्यु 'हृदय विदारक क्षति' है और उन्होंने उसके परिवार, दोस्तों एवं समुदाय के प्रति संवेदना व्यक्त की।

महावाणिज्य दूत ने गुरविंदर के परिवार से भी संपर्क किया।

उन्होंने कहा,' समुदाय ने जिस तरह से मदद का हाथ बढ़ाया, उससे मुझे खुशी हुई की कैसे दुख की इस घड़ी में परिवार का समर्थन करने के लिए वे आगे आए।' महावाणिज्य दूत ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। सीबीसी ने बताया कि नाथ का शव टोरंटो में भारतीय महावाणिज्य दूतावास की मदद से 27 जुलाई को भारत लाया जाएगा। पुलिस ने बताया कि नाथ और हमलावरों के बीच कोई ज्ञात संबंध नहीं था।

किंग ने बताया कि जांच प्रारंभिक स्तर पर होने के बावजूद पुलिस का मानना है कि नाथ निर्दोष था।

किंग ने बताया कि नाथ का वाहन हमले के कुछ घंटों बाद ओल्ड क्रेडिटव्यू और ओल्ड डेरी रोड क्षेत्र में लावारिस हालत में पाया गया जो अपराध स्थल से पांच किलोमीटर से भी कम दूरी पर था।

विरोध

मणिपुर में हिंसा और यौन उत्पीड़न के खिलाफ सोमवार को पटना में विरोध मार्च में भाग लेते सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकर्ता।

कश्मीर में जी-20 समूह की बैठक की सफलता से पाकिस्तान हताश

जम्मू/भाषा

जम्मू-कश्मीर में हाल में सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों में वृद्धि देखी गई है और सेना के जवानों ने दो महीने में 20 से अधिक आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि कश्मीर में जी-20 समूह की बैठकों की सफलता से पाकिस्तान हताश है। सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक मई में जी-20 समूह की बैठकों के दौरान घुसपैठ की कोशिशों में काफी वृद्धि हुई थी और यह सिलसिला जून तथा जुलाई में भी जारी रहा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक कुलदीप खोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान ने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद को बढ़ावा देने की अपनी कोशिशों को फिर से शुरू कर दिया है, लेकिन सुरक्षा बलों और पुलिस ने इन प्रयासों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया है, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। कुलदीप खोड़ा ने कहा कि पिछले 10 से 12 वर्षों के दौरान जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों ने पुंछ क्षेत्र के जरिए घुसपैठ की कोशिशें तेज कर दी हैं।''

पदोन्नत

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को रांची में मुख्यमंत्री कार्यालय में झारखंड पुलिस सेवा (जेपीएस) के नव पदोन्नत 24-आईपीएस अधिकारियों के कंधे पर नया बैज लगाते हुए।

जब ग्रीनलैंड हरा-भरा था: बर्फ के एक मील के नीचे की प्राचीन मिट्टी भविष्य के लिए चेतावनी

बर्लिंगटन/लोगान

लगभग 400,000 साल पहले, ग्रीनलैंड के बड़े हिस्से बर्फ-मुक्त थे। द्वीप की उत्तर-पश्चिमी उच्चभूमि पर झाड़ीदार टुंड्रा सूर्य की किरणों का आनंद लिया करता था। साक्ष्य बताते हैं कि कीड़ों से गुलजार स्प्रूस पेड़ों का जंगल, ग्रीनलैंड के दक्षिणी हिस्से में फैला हुआ था। उस समय वैश्विक समुद्र का स्तर बहुत अधिक था, आज के स्तर से 20 से 40 फुट ऊपर। दुनिया भर में, वह भूमि जो आज करोड़ों लोगों का घर है, पानी में डूबी हुई थी।

वैज्ञानिक काफी समय से जानते हैं कि ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर पिछले दस लाख वर्षों में किसी न किसी समय गायब हो गई थी, लेकिन निश्चित रूप से नहीं कह सकते कि यह कब गायब हुई थी।

जर्नल साइंस में एक नए अध्ययन में, हमने ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर के लगभग एक मील मोटे हिस्से के नीचे से शीत युद्ध के दौरान निकाली गई जमी हुई मिट्टी का उपयोग करके तारीख निर्धारित की।

समय - लगभग 416,000 वर्ष पहले, जिसमें बड़े पैमाने पर बर्फ-मुक्त स्थितियाँ 14,000 वर्षों तक चलीं - महत्वपूर्ण है। उस समय, पृथ्वी और इसके प्रारंभिक मानव सबसे लंबे अंतर-हिमनद काल से गुजर रहे थे क्योंकि बर्फ की चादरें 25 लाख वर्ष पहले उच्च अक्षांशों को ढके हुए थीं। उस प्राकृतिक वार्मिंग की लंबाई, परिमाण और प्रभाव हमें उस पृथ्वी को समझने में मदद कर सकते हैं जिसे आधुनिक मानव अब भविष्य के लिए बना रहे हैं। जुलाई 1966 में, अमेरिकी वैज्ञानिकों और अमेरिकी सेना के इंजीनियरों ने ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर को खोदने का छह साल का प्रयास पूरा किया। ड्रिलिंग कैंप सेंचुरी में हुई, जो सेना के सबसे असामान्य अड्डों में से एक है - यह परमाणु ऊर्जा से संचालित था और ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर में खोदी गई सुरंगों की एक शृंखला से बना था। उत्तर पश्चिमी ग्रीनलैंड में ड्रिल स्थल तट से 138 मील दूर था और 4,560 फीट बर्फ से दबा हुआ था। एक बार जब वे बर्फ के नीचे पहुंच गए, तो टीम ने नीचे जमी हुई, चट्टानी मिट्टी में 12 फीट और ड्रिलिंग जारी रखी।

1969 में, भूभौतिकीविद विली डैन्सगार्ड के कैंप सेंचुरी के बर्फ कोर के विश्लेषण से पहली बार यह विवरण सामने आया कि पिछले 125,000 वर्षों में पृथ्वी की जलवायु में नाटकीय रूप से कैसे बदलाव आया है।

विस्तारित शीत हिमनद काल जब बर्फ का तेजी से विस्तार हुआ तो गर्म अंतर हिमनद काल का मार्ग प्रशस्त हुआ जब बर्फ पिघली और समुद्र का स्तर बढ़ गया, जिससे दुनिया भर के तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ गई।

'अंजू 20 अगस्त को भारत लौटेगी, उससे शादी की कोई योजना नहीं'

पेशावर। पाकिस्तान के दूर दराज के गांव में फेसबुक के जरिये बने अपने पुरुष मित्र से मिलने आई भारतीय विवाहिता महिला अंजू वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौट जाएगी। यह जानकारी अंजू के पाकिस्तानी मित्र नसरुल्ला ने सोमवार को दी जिससे मिलने वह यहां आई हुई है।

नसरुल्ला ने इसके साथ ही अंजू से प्रेम संबंध होने की दावों को भी खारिज कर दिया।

नसरुल्ला (29) ने कहा कि उसकी 34 वर्षीय अंजू से विवाह करने की कोई योजना नहीं है। अंजू का जन्म उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में हुआ था और वह राजस्थान के अलवर में रहती थी। नसरुल्ला और अंजू की दोस्ती 2019 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी। पेशावर से करीब 300 किलोमीटर दूर कुल्शो गांव से फोन पर बातचीत में नसरुल्ला ने कहा, '' अंजू पाकिस्तान आयी हुई है और हमारी शादी करने की कोई योजना नहीं है।''

उन्होंने कहा, '' वह 20 अगस्त को वीजा अवधि समाप्त होने पर अपने देश लौट जाएगी। अंजू मेरे घर में परिवार की अन्य महिलाओं के साथ दूसरे कमरे में रहती है।''

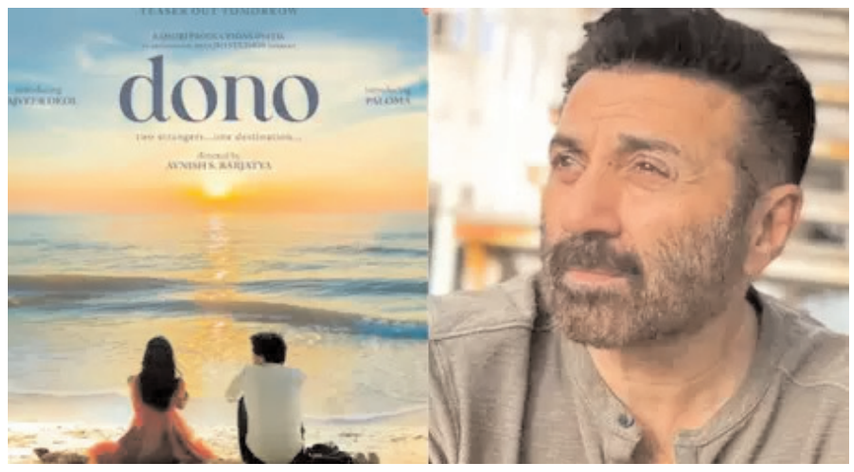

राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोनों' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

राजश्री प्रोडक्शन और जिओ स्टूडियो के बैनर तले बन रही फिल्म दोनों का पोस्टर रिलीज हो गया है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपने 75वें वर्ष को चिह्नित करते हुए, राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड ने अपनी 59वीं फिल्म दोनों की घोषणा की।इस फिल्म का निर्देशन सूरज बड़जात्या के पुत्र अवनीश एस. बड़जात्या कर रहे हैं। फिल्म दोनो का पोस्टर रिलीज हो गया है। इस फिल्म से सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में राजवीर देओल के अपोजिट मुख्य भूमिका में बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा नजर आएंगी।उनकी भी ये डेब्यू फिल्म ही है।

इस फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा, ये एक नई शुरुआत की शुरुआत है। ' राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत दोनों को कमल कुमार बड़जात्या, राजकुमार बड़जात्या, अजीत कुमार बड़जात्या और ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के लिए क्रिएटिव प्रोडक्शन का नेतृत्व सूरज आर. बड़जात्या कर रहे हैं।

फिल्मों के बीच तुलना नहीं की जानी चाहिए : सनी देओल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल का कहना है कि फिल्मों के बीच तुलना नहीं की जानी चाहिये। सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म गदर 2 को लेकर चर्चा में है। गदर 2, 11 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। इसी दिन अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी 2 भी रिलीज होने जा रही है। सनी देओल ने गदर 2 और ओएमजी 2 के क्लैश के बारे में पूछे जाने पर कहा, गदर: एक प्रेम कथा और आमिर खान की लगान एक साथ रिलीज हुई थी। मुझे समझ नहीं आता कि लोग फिल्मों की तुलना क्यों करते हैं, जबकि उनके बीच तुलना नहीं हो सकती। फिल्मों की तुलना दूसरी फिल्मों से नहीं की जानी चाहिए।

सनी देओल ने कहा, मुझे समझ में नहीं आता कि लोग तुलना क्यों करते हैं। मैं जो कहने की कोशिश कर रहा हूं वह यह है कि जो फिल्म ज्यादा अच्छी होती है फिर भी आप उसकी दूसरी फिल्मों के साथ तुलना करते हो। जिस चीज की बाराबरी नहीं है, उसकी तुलना मत करो। जिन फिल्मों की कोई तुलना नहीं है उन्हें एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

बच्चों को अपने फैसले लेने की आजादी होनी चाहिये : काजोल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का कहना है कि बच्चों को अपने फैसले लेने की आजादी होनी चाहिये। काजोल ने पेरेंटस डे के अवसर पर अपने बच्चों युग और नीसा के बारे में बात की। काजोल ने कहा कि बच्चों को समय-समय पर अकेले रहने देना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें जिम्मेदार वयस्क बनने में मदद मिलेगी। काजोल ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हर किसी को अपने फैसले लेने की आजादी होनी चाहिए। मेरा यह मानना है कि समय-समय पर बच्चों को उनके साथ रहने देना चहिए, क्योंकि इससे उन्हें जिम्मेदार वयस्क बनने में मदद मिलेगी। एक मां के रूप में, मैंने उन्हें सही और गलत के बारे में मार्गदर्शन दिया है।हालांकि मैं किसी भी मामले में उनका समर्थन करने के लिए हमेशा मौजूद हूं।

'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 की तैयारी शुरू : अमिताभ

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कहा कि पॉपुलर क्विज गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) के 15वें सीजन की तैयारी शुरू हो गई है। अमिताभ ने रविवार को अपने ब्लॉग के जरिए शो के बारे में बताया।

अमिताभ बच्चन ने लिखा, ''केबीसी की तैयारी शुरू हो गई है और फ्लूअन्सी डेवलप होने तक इसे जारी रखने की जरूरत है। हम आखिरकार इंसान हैं और गलतियां होती हैं लेकिन उनसे बचने का प्रयास हमेशा किया जाता है। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने सोमवार को अपने फैंस के साथ अपनी रविवार की मुलाकात की एक झलक साझा की, जिन्हें वह प्यार से अपना विस्तारित परिवार कहते हैं। अभिनेता ने शो के लिए एक अपडेट भी साझा किया।

अब विभिन्न प्लेटफार्मों पर प्रदर्शित प्रमोशनल डिक्री पर जो बदलाव सुनाई दे रहे हैं, वे गेम खेलने में स्पष्ट हैं और कल जो लोग केबीसी में जाएंगे, वे उनके बारे में जानने की स्थिति में होंगे। और यदि प्रसारण देखने का कोई अवसर नहीं है, तो सोनी लिव पर प्लेएलॉन्ग है, जो वादा करता है कि इस सीज़न में कुछ बेहतर अवसर होंगे, जिनमें से अधिक तब निर्धारित होंगे जब सोनी के लिए केबीसी सीज़न 15 शुरू होगा। 'कौन बनेगा करोड़पति' 'हू वांट्स टू बी ए मिलियनेयर?' का आधिकारिक हिंदी एडेप्टेशन (रूपांतरण) है। तीसरे सीजन को छोड़कर इसे शुरुआत से ही बिग बी द्वारा होस्ट किया गया। तीसरे सीजन में इसे अभिनेता शाहरुख खान ने प्रस्तुत किया था। फिल्मों की बात करें तो अमिताभ बच्चन अगली बार 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आएंगे। इसमें प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी भी हैं।

कालकूट के लिए एसिड अटैक सर्वाइवर के मेकअप में खुद को देखकर भावुक हुयी श्वेता त्रिपाठी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि वह कालकूट के लिये एसिड अटैक सर्वाइवर के मेकअप में खुद को देखकर भावुक हो गयी। श्वेता त्रिपाठी ने फिल्म कालकूट में एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका निभायी है। श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि कालकूट के लिए पहली बार एसिड अटैक का मेकअप करवाते समय वह भावुक हो गयी और उनकी आंखों में आंसू आ गये। श्वेता त्रिपाठी ने बताया, मैंने एक एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका निभाई है।

मेकअप टेस्ट के दौरान, खुद को सर्वाइवर के रूप में देखकर मैं उनके दर्द को दिल से महसूस कर पाई।भावनाएं मुझ पर हावी हो गईं, और आंसू खुलकर बहने लगे। मैं पूरी टीम के अटूट धैर्य, समर्थन और मुझ पर विश्वास के लिए उनकी दिल से सराहना करना चाहूंगी। यह आपका समर्पण और मेरी क्षमताओं में विश्वास है जिसने मुझे इस किरदार की गहराई में जानने और उनकी कहानी को जीवंत करने का मौका दिया। कालकूट का निर्देशन सुमित सक्सेना ने किया है। कालकूट में विजय वर्मा, श्वेता त्रिपाठी, सीमा बिस्वास, यशपाल शर्मा और गोपाल दत्त अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। कालकूट 27 जुलाई को जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा।

बोर्ड ने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से ममता बनर्जी का संदर्भ हटाने के लिए कहा

मुंबई/एजेन्सी

आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीएफबीसी) ने निर्माताओं को फिल्म से कुछ शब्द, संवाद और संदर्भ हटाने के लिए कहा है।

निर्माताओं से अन्य बदलावों के बीच अपशब्दों, लोकसभा का उल्लेख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संदर्भ को हटाने के लिए कहा गया है। निर्माताओं से फिल्म में कई बार इस्तेमाल की गई एक प्रचलित लेकिन अपमानजनक गाली भी हटाने के लिए कहा गया है। इस शब्द की जगह निर्माताओं ने अब 'बहन दी' शब्द का इस्तेमाल किया है।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीएफसी ने एक संवाद से लोकसभा का उल्लेख हटाने और इसके स्थान पर कोई दूसरा टर्म इस्तेमाल न करने के लिए भी कहा है।

निर्माताओं को रबींद्रनाथ टैगोर के दृश्य में बदलाव करने के लिए भी कहा गया है, जो फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद बड़े पैमाने पर चर्चा का विषय बन गया है।

रम का ब्रांड ओल्ड मॉन्क को फिल्म में बोल्ड मॉन्क में बदल दिया गया है। लैजरी शॉप सीन में एक डायलॉग हटाने के लिए कहा गया है जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का जिक्र आया है। इसी सीन में ब्रा शब्द के स्थान पर आइटम शब्द का इस्तेमाल किया गया है। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' दो घंटे 48 मिनट की फिल्म है। इसमें धर्मेंद्र और शबाना आजमी भी हैं। यह 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण जौहर द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक तेजतर्रार पंजाबी व्यक्ति और एक बौद्धिक बंगाली पत्रकार पर केंद्रित है जो एक-दूसरे से प्यार करते हैं। चूंकि उनके परिवार ने उनके रिश्ते का विरोध किया, इसलिए दोनों ने तीन महीने के लिए एक-दूसरे के परिवारों के साथ रहने का फैसला किया। फिल्म में तोता रॉय चौधरी, चूर्णी गांगुली और क्षिति जोग सहित कई अन्य कलाकार भी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 25-07-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जीतो बेंगलूरु नार्थ, महिला विंग, युवा विंग द्वारा कनकपुरा रोड स्थित अरिहंत कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट एवं अरोचा इंडिया वन संरक्षण फोरेस्ट एंड इंस्टीट्यूट में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

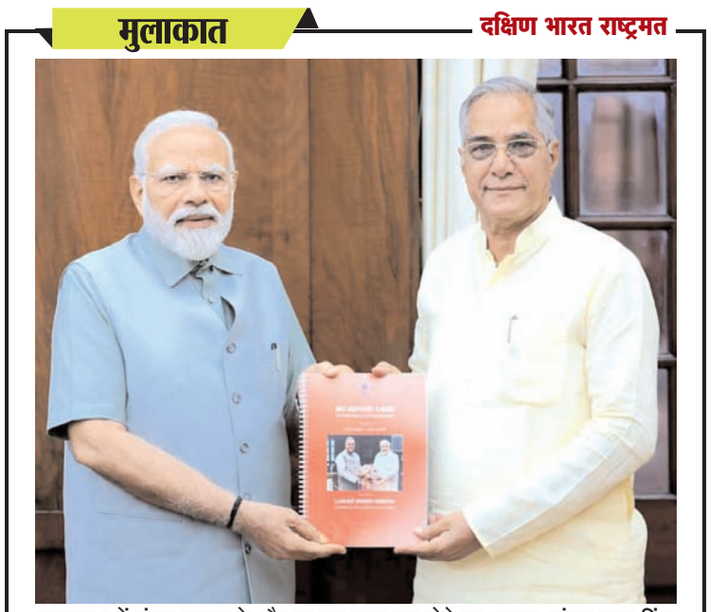

राज्यसभा में संसद सदस्य के तौर पर एक साल पूरा होने पर भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और एक व र्ष में किए गए अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड सौंपा। लहर सिंह ने कर्नाटक की बेहतर सेवा करने के लिए प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन मांगा।

अमृतकाल महोत्सव के अंतर्गत 'जीतो' द्वारा वृक्षारोपण आयोजन, 200 पेड़ लगाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो बेंगलूरु नार्थ, महिला विंग, युवा विंग द्वारा कनकपुरा रोड स्थित अरिहंत कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट एवं अरोचा इंडिया वन संरक्षण फोरेस्ट एंड इंस्टीट्यूट में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष इन्दरचन्द बोहरा ने जीतो अपेक्स द्वारा निर्देशित अमृतकाल आयोजन के अन्तर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज हम विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के लिये पेड़ो पर निर्भर है। इस अर्थव्यवस्था की मजबूती की शुरुआत वृक्षारोपण से होती है। अरोचा इंडिया के राष्ट्रीय निदेशक अविनाश कृष्णन एवं सीनियर रिसर्च अफ़सर दिलीप कुमार ने कहा कि वनों को बढ़ावा देना वृक्षारोपण का सबसे बड़ा उद्धेश्य है ताकि हमारे पर्यावरण का संतुलन बना रह सके। जंगल जीवन मनुष्यों के लिए एक वरदान का कार्य करता

है। आयोजन की मुख्य अतिथि लेफ़्टिनेंट खुशबू घोषल ने जीतो के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि भावी पीढ़ी के लिए शुद्ध वायु का कार्य हो रहा है। वृक्षारोपण से मानव समाज और प्राकृतिक मौसम में भी बदलाव आता है। पर्यावरण में जैव विविधता को बनाए रखने के लिए यह महत्वपूर्ण है। वृक्षारोपण आयोजन पर जीतो महिला विंग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा, अरिहंत कॉलेज के प्रमुख अशोक नागोरी, सुराणा कॉलेज के गिरीश कुमार एवं प्रिंसिपल ने शुभकामनाएं दी। नॉर्थ के महामंत्री सुधीर गादिया ने जंगल गोद लेने के संदर्भ में कहा कि ऐसा करने से पेड़ों की देख-रेख कर हो सकेगी और उनको विकसित होने में मदद मिलेगी।अपेक्स हेल्थ एंड न्यूट्रीशियन संयोजिका निशा सामर ने कहा कि हमें हरियाली एवं आक्सीजन प्रदान कर

ने वाले वृक्षों के विकास की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है। महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने इस अभियान से जुड़ी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि महिला विंग ने इस राष्ट्रीय अभियान में अब तक लगभग 7500 से अधिक पौधारोपण एवं वितरण कार्य किया जा चुका है। उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि सोमवार को वृक्षारोपण अभियान में 200 विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। इस अवसर पर नॉर्थ कोषाध्यक्ष विजय सिंघवी, सह कोषाध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया, सचिव देव सामर एवं सिद्धार्थ पटवा, राजकुमार सोलंकी, युवा विंग अध्यक्ष मनीष कोठारी सहित महिला विंग की सदस्याएं उपस्थित थे। संयोजिका लक्ष्मी बाफ़ना एवं सह-संयोजिका नीता गादिया ने व्यवस्था सँभाली। संचालन महिला विंग की महामंत्री सुमन वेदमुथा ने किया ।

सत्संग ही शांति का राजमार्ग है : श्रीरंग स्वामी

बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में 4 दिवसीय सत्संग पारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में पवित्र पुरुषोत्तम मास में चार दिवसीय सत्संग पारायण का आयोजन किया गया, जिसमें गुजरात से आए विद्वान संत श्रीरंग स्वामी ने कहा कि आज हर किसी को एक ही निशान नजर आता है और वह है शांति। आज के आधुनिक युग के आधुनिक मनुष्य की शांति के राजमार्ग पर चलने की गति तो बहुत तेज है लेकिन दिशा गलत है। शांति के सच्चा मार्ग को प्राप्त करने के लिए संतों का मार्गदर्शन अति आवश्यक है। स्वामीजी ने कहा कि जैसे कस्तूरी मृग कस्तूरी की सुगंध को पूरे जंगल में ढूंढता है परंतु वो सुगंध तो उसके शरीर में से ही आती है, वैसे ही मनुष्य आज बाहरी दुनिया में शांति ढूंढता है, परंतु आत्मा और परमात्मा में ही परम शांति का अनुभव होता है और वो आत्मा परमात्मा का ज्ञान एक सच्चे गुणातीत संत के सत्संग से प्राप्त होता है । इसलिए गाया गया है कि' संत समागम कीजे हो निशदीन संत समागम कीजे। आज के अतिव्यस्त समय में से जब मानव समय निकालकर सत्संग करे वो ही शांति का राजमार्ग है।

यशवंतपुर तेरापंथ सभा, महिला व युवा परिषद की कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यशवंतपुर तेरापंथ भवन में तेरापंथ सभा, महिला व युवा परिषद की कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से बैठक की शुरुआत हुईं तथा दिवंगत आत्मों को श्रद्धांजलि दी गई। सभा के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी से निवेदन किया कि गांधीनगर मे विराजित मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के चातुर्मास प्रवचन में अधिक से अधिक श्रद्धालु पहुंचे और आध्यात्मिक लाभ लें। गांधीनगर तक जाने के लिए वाहन व्यवस्था के प्रायोजक पुष्पाबाई नेमीचन्द बाबेल परिवार व लीलादेवी देवीलाल डूंगरवाल परिवार का सम्मान किया गया। सभा सहमंत्री राकेश गादिया की धर्मपत्नी प्रीति गादिया की 22 दिनों की तपस्या की अनुमोदना की गई।

महिला मंडल की नई अध्यक्ष मीना दक एवं युवक परिषद अध्यक्ष जिगर मारू एवं उनकी पूरी टीम सम्मान कर शुभकामनाएं दी गई। प्रकाश बाबेल, शांतिलाल भंसाली, विनोद मुथा, लाडली मुथा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक मे संपतराज डूंगरवाल, सुनील बाबेल, ललित बाबेल, रमेश बाबेल, रेखा पितलिया, लता भंसाली, महावीर गन्ना, कमलेश बाबेल, भारत दक आदि उपस्थित थे। सभा मंत्री महावीर ओस्तवाल ने संचालन किया ।

सीरवी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के खिलाड़ियों की हुई नीलामी

एसपीएल सीजन 3 का आयोजन 6 अगस्त से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बलेपेट सीरवी यूथ ऐसोसिएशन बलेपेट के तत्वावधान में सीरवी प्रीमियर लीग एसपीएल सीजन 3 का खिलाड़ियों की नीलामी कार्यक्रम का आयोजन एक होटल में किया गया। बलेपेट संघ के अध्यक्ष हरजीराम गेहलोत, उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया सहसचिव भंवरलाल गेहलोत, खेल मंत्री कैलाश भायल, पूर्व सचिव नारायणलाल लचेटा सेवा,संघ के सचिव सुरेश की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। संस्था के अध्यक्ष हरजीराम गेहलोत ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता एसपीएल लीग सीजन 3 कप का आयोजन 6 व 13 अगस्त को विद्यारण्यपुरा रोड़ स्थित बेल मैदान में होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में कुल 12 टीमें खेलेंगी। खेल मंत्री कैलाश भायल ने कहा कि एसपीएल एक ऐसा मंच है जहां खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। किक्रेट प्रतियोगिता के नीलामी प्रायोजक इन्द्रा किंग टीम के इन्दरलाल सोलंकी, वीर रॉयल्स के भंवरलाल, नरेश, राजेश सोलंकी, महालक्ष्मी स्ट्राइकर्स के बाबूलाल पंवार, एसआर सुपर किंग्स के राजूराम सेंणचा, प्रकाश राठौड़ राजकुमार, राठौड़ वारियर्स टीम के प्रकाश राठौड़, एचपी सुपर किंग्स टीम के गेनाराम लचेटा, भीमाराम परिहार, एचपी. सुपर किंग्स के राजूराम सेंणचा, दीपाराम देवड़ा, केंगेरी फाइटर के कैलाश भायल, मनोज भायल मारूति वारियर्स के निर्मल राठौड़, एमके आर लेजेन्टस टीम के प्रवीण सिंदडा, रॉक स्टार के मोहनलाल पवांर महेश स्ट्राइकर्स के हुक्म राठौड़ ने अपनी-अपनी टीम के लिए खिलाड़ियों का चयन किया ।इस मौके पर बलेपेट बडेर सेवा संघ के अध्यक्ष राजूराम बर्फा, सचिव सुरेश सीरवी एवं सांस्कृतिक कमेटी के सदस्य मौजूद थे।

खरतरगच्छ समर्पण दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद एवं महिला परिषद द्वारा बसवनगुड़ी आराधना भवन में विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्री आदि के सान्निध्य में खरतरगच्छ समर्पण दिवस मनाया गया। जिन कुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के ट्रस्टीगण व खरतरगच्छ संघ के सदस्य, केयुप के अध्यक्ष भरत रांका महामंत्री कल्पेश लुंकड़, केएमपी के महामंत्री आरती जैन, कोषाध्यक्ष कांता फोफलिया आदि ने किया। इस मौके पर खरतरगच्छ संस्थापक जिनेश्वरसूरीजी के लेकर वर्तमान गच्छाधिपति के जीवन चरित्र का एक चलचित्र का मंचन किया गया। साध्वीश्री व ट्रस्टी तेजराज गुलेच्छा ने खरतरगच्छ समर्पण दिवस की महत्ता के बारे में बताया। इस मौके पर अनेक युवा सदस्य उपस्थित थे।

'विनम्र व्यवहार वाला व्यक्ति सदैव प्रसिद्धि पाता है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि व्यक्ति दो तरह से प्रसिद्ध होता है। पहला कुख्यात रुप से, जो व्यक्ति चोरी करता है, डकैती डालता है, या गलत काम करता है वह भी प्रसिद्ध होता है पर गलत रूप से। दूसरा, प्रख्यात रूप से यानी

जो व्यक्ति समाज और देश के लिए समय और श्रम का उपयोग करके सद्कार्य करता है वह व्यक्ति प्रसिद्धि पाता है। जैन आगमों की दृष्टि से आदेय यश नाम कर्म के उदय से व्यक्ति प्रसिद्धि पाता है। वह व्यक्ति सर्वप्रिय, जनप्रिय, लोकप्रिय होता है। जिसकी पुण्यवानी मजबूत है उसका ही सितारा चमकता है, जिसका सबके साथ अच्छा व्यवहार हो, जो अच्छी प्रकृति का हो, जो चंदन के समान खुशबू फैलाने वाला हो, जो व्यक्ति झुकना जानता हो, विनम्र व्यवहार वाला हो, वह प्रसिद्धि जरूर पाता है।

साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि हमारी प्रकृति हमारा व्यवहार अच्छा होना चाहिए। हमारे मन में सब जीवों के प्रति देने की भावना होनी चाहिए। हमारे मन में हमेशा हर किसी की मदद करने की भावना होनी चाहिए। हमारे जीवन में हमेशा अच्छे कार्य करने वालों को समर्थन करने की भावना होनी चाहिए। साध्वीजी ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। धर्मसभा में बेंगलूरु सहित बाहर के शहरों से भी श्रद्धालु उपस्थित थे। साध्वीश्री की निश्रा में विभिन्न तपस्याएं गतिमान है। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

हर परिस्थिति में सम रहने वाला सदैव विकास करता है : मुनि दीपकुमार

तेरापंथ महिलाओं ने आयोजित की कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में 'दि पॉवर ऑफ रिसाइलेन्स' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष मंजू गादिया ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुनिश्री काव्यकुमारजी ने दृष्टांत बताते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में लाभ- अलाभ, प्रशंसा-निंदा, हर्ष -शोक, सुख दुख अनुकूल प्रतिकूल सभी परिस्थितियों में अपनी समता की साधना को जागृत रखने का प्रयास करना चाहिए, जो ऐसा करता है वही वास्तविक सुख प्राप्त कर पाता है। मुनिश्री दीपकुमारजी ने अपने प्रेरणा पाथेय में एक प्रसंग का जिक्र करते हुए कहा कि जीवन की राह में कभी उबड़-खाबड़ कभी ऊंचा-नीचा कभी समतल, तो कभी कांटे तो कभी फूलों का भी सामना व्यक्ति करता है, जो सभी परिस्थितियों में सम रहता है घबराता नहीं है बल्कि उससे सबक लेता है, वही निश्चित आगे बढ़ता है । व्यक्ति के स्वयं के हाथ में है कि वह उपस्थित परिस्थिति में हंसे या रोए उसे सदा आशावादी रहना चाहिए अपने भीतर आशावादी ताकि गुण का विकास करना चाहिए, साथ ही अपने आत्मविश्वास को मजबूत बनाना चाहिए, इससे व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थिति और लाइलाज बीमारी से भी छुटकारा पा सकता है। अपने भीतर ऐसे गुणों का विकास करने वाला व्यक्ति हर क्षेत्र में सफल हो सकता है।

परिवारों में सद् संस्कारों का संवर्धन और बीजारोपण हो। पूर्व अध्यक्ष प्रेम भंसाली ने कहा कि वर्तमान परिवेश में परिवार में हो रहे विघटनों को रोकने के लिए सभी परिवारिक सदस्य रिश्तो में लचीलापन लाए एक दूसरे को समझने के हुनर का विकास करें। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका किरण बोराणा तथा आभार ज्ञापन सपना मंडोत ने किया। इस मौके पर करीब 75 सदस्याएं उपस्थित थीं।

बच्चों को कार के साथ-साथ संस्कार भी देना जरुरी : हेमलता शास्त्री

माहेश्वरी भवन में शिव महापुराणा कथा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा माहेश्वरी भवन में श्रावण पुरुषोत्तम मास के अवसर पर सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के आखिरी दिन कथावाचक देवी हेमलताजी शास्त्री ने कहा कि विश्राम का मतलब ढलाव होता है रुकना नहीं। आत्मा, परमात्मा, प्रकृति ये तीन तत्व सदैव रहते है। जीव तत्व समाप्त नहीं होता, जो घर है वो भी प्रकृति ही है और जो घर मिट्टी में मिल गया वो भी मूल प्रकृति है।सृजन करने मे मात्रशक्ति ही महान है। माँ कोमल हो सकती है कमजोर नहीं। माँ को ब्रह्म की उपाधि मिली है। हमें अपने बेटियों को गुण से सजाना चाहिए न कि फैशन से। देवियों का दर्शन किया जाता, प्रदर्शन नहीं किया जाता। कला बुरी नहीं होती कला को बेढंगापन से अपनाओ व प्रस्तुत करना गलत है। अपने बच्चों को कार के साथ साथ संस्कार भी दे। किसी भी शुभ विचार को कल पर मत टालो। शिव महापुराण कथा के अनेक सहिंता है

इसके हर एक प्रसंग को आत्मसात् करना चाहिए। कथा वाचक ने कहा कि सहज-सरल बनना चाहिए और बनावटी पन को छोड़ देना चाहिए। जीवन में सीखने को बहुत कुछ है जैसे पंछी से उड़ना सीखो । हम सब के जीवन का उद्देश्य होना चाहिए परमात्मा शिव को प्राप्त करना।कथा

प्रारम्भ होने से पहले व्यास पीठ पोथी की पूजा कान्ता -कैलाश काबरा ने की। अध्यक्षा श्वेता बियाणी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मल तापडिया, युवा संघ के उपाध्यक्ष अमित माहेश्वरी, माहेश्वरी फउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष भगवान बल्दवा, माहेश्वरी सौहार्द कोऑपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा ने कथा वाचक हेमलताजी का सम्मान किया। कथा के समापन पर हवन का आयोजन किया गया। हवन में निर्मला श्रीगोपाल काँकाणी, सुनीता भगवान लाहोटी सहित कार्यकारिणी सदस्याओं ने आहूति प्रदान की। संचालन स्नेहा सारड़ा ने किया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com